हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-260, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शुक्रवार 06 मार्च 2026

यमुना एक्सप्रेस-वे बन रहा बहुक्षेत्रीय औद्योगिक कॉरिडोर...02

जयघोष के साथ पूर्ण हुई 84 कोसीय परिक्रमा...06

फिनलैंड के साथ जॉइंट प्रेस वार्ता में बोले प्रधानमंत्री मोदी

केवल सैन्य टकराव से मुद्दों का समाधान संभव नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे सैन्य टकराव के बीच भारत और फिनलैंड ने कानून के शासन तथा कूटनीति पर जोर देते हुए कहा है कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। दोनों देशों ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति स्थापना पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा पर आये फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और फिनलैंड ने प्रौद्योगिकी से लेकर रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के लिये अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने कानून के शासन में विश्वास व्यक्त करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की वकालत की है। उन्होंने सभी तरह के आतंकवाद जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। मोदी ने विश्व में अस्थिरता और अनिश्चितता का उल्लेख करते हुए कहा कि यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं।

उन्होंने कहा, हम एकमत हैं कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। यूक्रेन हो या पश्चिमी एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। दोनों देशों के बीच सहयोग को और पुख्ता बनाने की सहमति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में दुनिया की दो बड़ी

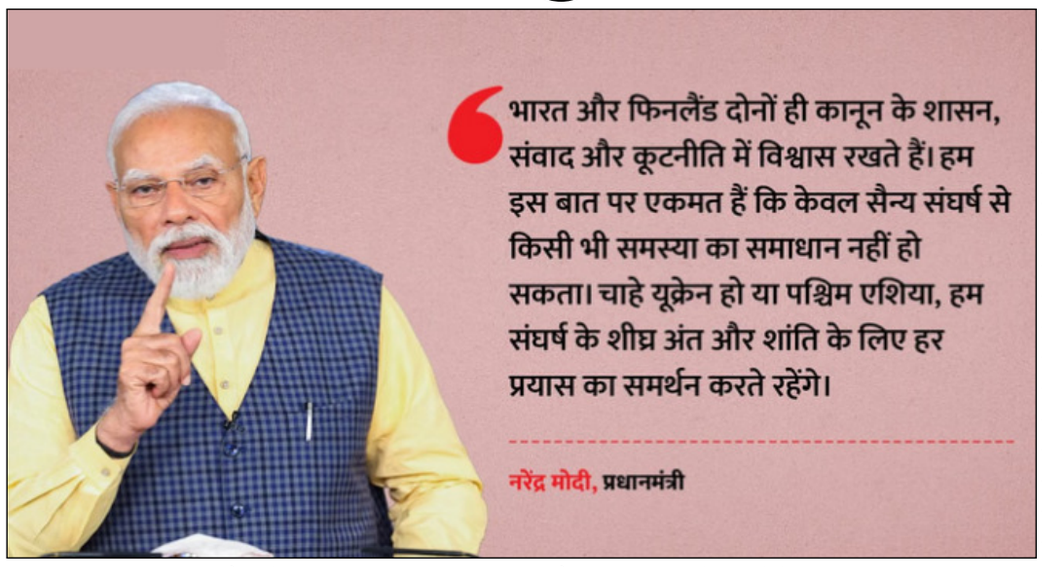

कूटनीतिक शक्तियों भारत और यूरोप का बढ़ता सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नई मजबूती दे रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनके बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को और प्रबल होगा। दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, ढांचागत और सततता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर उन्होंने कहा कि नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के वास्तुविदों के सहयोग से भारत ने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। फिनलैंड की साझेदारी से भारत ने नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस से जैव इथेनॉल रिफाइनरी भी बनाई है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से प्रेरणा लेते हुए दोनों देशों ने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और स्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी का रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा , यह साझेदारी ए आई से लेकर 6 जी दूरसंचार , स्वच्छ ऊर्जा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग ,कई हाई-टेक क्षेत्रों में हमारे सहयोग को गति और ऊर्जा देगी। साथ ही रक्षा , अंतरिक्ष , सेमीकन्डक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी साझेदारी और गहरी होगी।ष् प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतान्त्रिक और जिम्मेदार देशों की यह रणनीतिक साझेदारी पूरे विश्व के लिए विशवसनीय प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर भी एकमत हैं कि बढती वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक ही नहीं अविलंब होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करने की भी प्रतिबद्धता जतायी है। श्री मोदी ने कहा कि फिनलैंड भारतीय छात्रों और प्रतिभा के लिए प्राथमिक जगह बन रहा है और दोनों देशों के नवाचार तंत्र को जोड़ने के लिए हमने फिनलैंड के साथ एक व्यापक माइग्रेशन एण्ड मोबिलिटी अग्रीमेंट किया है। उन्होंने कहा, इसके साथ, हम संयुक्त शोध और स्टार्ट अप सहयोग को भी और मजबूत करने जा रहें हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में फिनलैंड एक आदर्श है। उन्होंने कहा, आज हमने टीचर ट्रेनिंग, स्कूल से स्कूल साझेदारी और शिक्षा के भविष्य में शोध पर सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनाई है। यानि, स्कूल से लेकर उद्योग तक, हम जन संसाधन के हर स्तर पर अपने सहयोग को नई गहराई देने जा रहे हैं।ष् प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वस्थ पृथ्वी हमारी साझी प्राथमिकता है और इस वर्ष फिनलैंड के साथ हम भारत में श्वर्ल्ड सर्क्युलर ईकानमी फेरम श् की मेजबानी करने जा रहे हैं। इससे सततता के प्रयासों को नई गति और नए विचार मिलेंगे।

भारत की तेल आपूर्ति खतरे में, फिर भी प्रधानमंत्री चुप: राहुल गांधी ने मोदी पर साधा निशाना

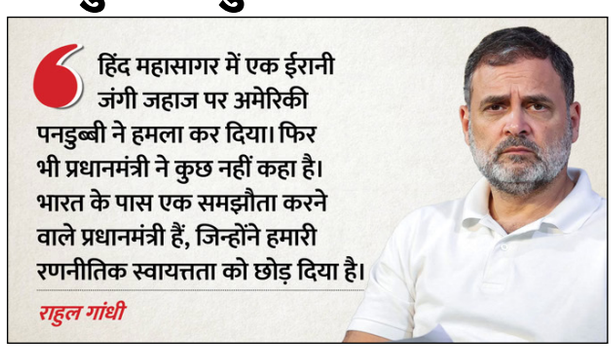

नयी दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भारत को होने वाली परेशानियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है। राहुल गांधी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। आगे भयंकर संकट मंडरा रहा है। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी बदतर है। राहुल गांधी ने लिखा है, संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ऐसे समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके विपरीत भारत के पास एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो समझौतावादी हैं और रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। सप्लाई पर असर पड़ने के कारण कीमतों में उछाल आया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफहोर्मुज) को बंद कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक कंटेनर जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे जहाज को नुकसान पहुंचा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी को लेकर भारत फिलहाल सुरक्षित स्थिति में है। देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार और 25 दिनों के पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक मौजूद है। जिसमें से करीब 50 प्रतिशत तेल मिडिल ईस्ट के देशों से आता है, जो मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचता है।

प्रधानमंत्री ने राजनीतिक और नैतिक रूप से किया आत्मसमर्पण: खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईरान युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों का हवाला देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक और नैतिक रूप से आत्मसमर्पण कर दिया है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, श्श्मोदी सरकार का भारत के सामरिक और राष्ट्रीय हितों के प्रति लापरवाही भरा परित्याग सबके सामने है। एक ईरानी जहाज भारत का मेहमान था, हमारे द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 से निहत्थे लौट रहा था, लेकिन हिंद महासागर क्षेत्र में उस पर हमला कर दिया गया। चिंता या शोक का कोई बयान नहीं आया।प्रधानमंत्री मोदी मौन साधे हुए हैं। उन्होंने कहा, होर्मुज की खाड़ी में 1100 नाविकों के साथ 38 भारतीय ध्वज वाले वाणिज्यिक जहाज फंस गए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत दो भारतीय नाविकों की कथित तौर पर मौत हो गई है।

राज्यसभा चुनाव, नीतीश कुमार ने किया नामांकन अमित शाह समेत एनडीए के कई नेता रहे मौजूद

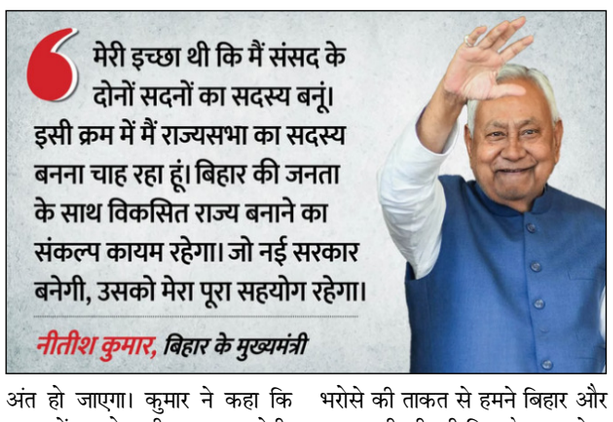

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बृहस्पतिवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वर्ष 2005 से रिकॉर्ड 10 बार मुख्यमंत्री रहे कुमार और नबीन ने बिहार विधानसभा की सचिव ख्याति सिंह के कक्ष में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर अमित शाह के अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा राज्य सरकार के कई अन्य मंत्री भी मौजूद थे। इससे पहले दिन में नीतीश कुमार ने घोषणा की थी कि वह राज्यसभा का चुनाव लड़ेंगे, जिसके साथ ही बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के उनके कार्यकाल का अंत हो जाएगा। कुमार ने कहा कि राज्य में श्श्जो नयी सरकार बनेगी, उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, दो दशकों से अधिक समय तक आपने लगातार मुझ पर विश्वास और समर्थन बनाए रखा। इसी भरोसे की ताकत से हमने बिहार और आप सभी की पूरी निष्ठा के साथ सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की शक्ति से ही आज बिहार विकास और गरिमा की नयी पहचान प्रस्तुत कर पा रहा है। कुमार ने कहा, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा एवं आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नयी सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत दिलाने के बाद कुमार के पद छोड़ने के साथ ही अब यह अटकलें हैं कि भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता राज्य का नया मुख्यमंत्री बनेगा।

ट्रंप की युद्ध संबंधी शक्तियों को सीमित करने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में ख़ारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध संबंधी शक्तियों को सीमित करने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट ने खारिज कर दिया है। वार पावर्स रेजोल्यूशन को सीनेट में 53 बनाम 47 मतों से पारित किया गया, जिसमें अधिकांश सांसदों ने पार्टी लाइन के अनुसार मतदान किया। इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति को ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान जारी रखने से पहले कांग्रेस की अनुमति लेना अनिवार्य किया जाना था। यदि यह प्रस्ताव पारित हो जाता तो कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी के बिना ईरान में आगे की सैन्य कार्रवाई प्रभावी रूप से रोक दी जाती। डेमोक्रेट पार्टी के अधिकांश सांसदों ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने सैन्य कार्रवाई शुरू करते समय कांग्रेस को दरकिनार किया और युद्ध के औचित्य पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

एनसीआर में 6 मार्च से बढ़ेगा रात का तापमान

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 6 मार्च से दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे रातें भी पहले की तुलना में अधिक गर्म महसूस होंगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 और 7 मार्च को आसमान मुख्य रूप से साफरहने की संभावना है। इन दिनों मौसम में किसी बड़े बदलाव या खराब मौसम की चेतावनी नहीं दी गई है। राजधानी में अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार वातावरण में नमी का स्तर 40 से 80 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दिन के समय धूप तेज रहने और रात के तापमान में बढ़ोतरी से गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगेगा। मौसम में इस बदलाव के साथ ही एनसीआर के लोगों को प्रदूषण से भी राहत मिलती नजर आ रही है। बीते कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है और कई इलाके अब 'मध्यम' या 'संतोषजनक' श्रेणी के करीब पहुंच गए हैं। इससे लोगों को अपेक्षाकृत स्वच्छ हवा में सांस लेने का अवसर मिला है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के आंकड़ों के अनुसार राजधानी के कई क्षेत्रों में एक्यूआई नियंत्रित स्तर पर दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 166, बवाना में 147, आश्रम चौक पर 126 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 117 दर्ज किया गया।

इसी तरह अलीपुर में 124, चांदनी चौक में 132 और आया नगर में 121 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। कंटोनमेंट क्षेत्र में 127, बुराड़ी क्रॉसिंग में 114 और अशोक विहार में 134 का स्तर दर्ज हुआ। एनसीआर के अन्य शहरों में भी वायु गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला है। नोएडा के सेक्टर-116 में एक्यूआई 136, सेक्टर-1 में 133, सेक्टर-125 में 132 और सेक्टर-62 स्थित आईएमडी स्टेशन पर 124 दर्ज किया गया।

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का कार्यकाल हमेशा याद रखा जाएगा

पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का कार्यकाल राज्य में विकास को गति देने और विभिन्न क्षेत्रों में उनके ऐतिहासिक कार्यों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। श्री शाह ने आज श्री कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा कि पिछले 20 वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में श्री कुमार ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब श्री कुमार ने राज्य की बागडोर संभाली थी, तब सड़क, बिजली और कानून-व्यवस्था सहित लगभग सभी क्षेत्रों में पूरी तरह अव्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों के हित में अपनी ईमानदार कोशिशों और प्रतिबद्धता के कारण श्री कुमार राज्य के सभी गांवों तक बिजली और सड़क पहुंचाने में सफल रहे। उनकी सरकार ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मूलभूत अवसंरचना में व्यापक सुधार किया।

दिल्ली के रिठाला इलाके में आग ने मचाया तंडाव 100 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रिठाला इलाके में गुरुवार तड़के एक झुग्गी बस्ती में भीषण आग लगने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई और 100 से अधिक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आग लगने के बाद से लड़की लापता थी। बाद में दमकलकर्मियों ने उसका जला हुआ शव बरामद किया। प्राधिकारियों को आग लगने की सूचना तड़के सवा चार बजे मिली। आग घनी आबादी वाली झुग्गियों में तेजी से फैल गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई और वे आग की लपटों से बचने के लिए अपनी झोपड़ियों से बाहर भागने लगे। निवासियों ने बताया कि इस झुग्गी बस्ती में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से आए प्रवासी मजदूर रहते हैं और वे पास के कारखानों, निर्माण स्थलों और छोटे प्रतिष्ठानों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने आग बुझाने का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया और आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 18 से अधिक गाड़ियां तैनात कीं। आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मियों ने मलबे से 17 वर्षीय लड़की का जला हुआ शव बरामद किया। एक दमकल अधिकारी ने कहा, श्श्आग लगने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग ने कई झुग्गियों को पहले ही अपनी चपेट में ले लिया था। अधिकारियों ने बताया कि झोपड़ियां एक-दूसरे के बहुत करीब बनी हुई थीं और उनमें से कई में प्लास्टिक की चादरें, लकड़ी के तख्ते और कपड़े जैसे अत्यधिक ज्वलनशील सामग्रियां थीं इसलिए आग तेजी से फैली। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने बचाव अभियान चलाया और सुबह लगभग साढ़े छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

असम में कांग्रेस को झटका, पार्टी के तीन निलंबित विधायक भाजपा में शामिल

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का परिवार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में जहां कांग्रेस की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा रविवार को औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए। अब इस कड़ी में तीन निलंबित कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, बसंत दास, शशिकांत दास ने भी सत्तारूढ़ दल का दामन थाम लिया। गुवाहाटी में प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में तीन निलंबित विधायक अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हुए। वहीं भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने कहा, श्हम तीन लोग जो भाजपा में शामिल हुए हैं और इसका एक ही उद्देश्य है कि हमारे असम व राष्ट्र की सुरक्षा। असम का नागरिक होने के नाते हमें भाजपा के साथ आना है और देश व असम को आगे ले जाने के लिए भाजपा की जो नीति है उसके साथ काम करना है। आने वाले दिन में हम इस नीति को आगे ले जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने के एक ही कारण तुष्टीकरण बताया। वहीं पूर्व पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आने वाले समय में यदि कांग्रेस ने अपनी विचारधारा नहीं बदली तो कांग्रेस खाली हो जाएगी। इधर, तीन निलंबित कांग्रेस विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की प्रतिक्रिया आई।

यूएन ने कहा, खाड़ी क्षेत्र में 35 हजार लोग फंसे ईरान में 1230 पहुंचा मौत का आंकड़ा

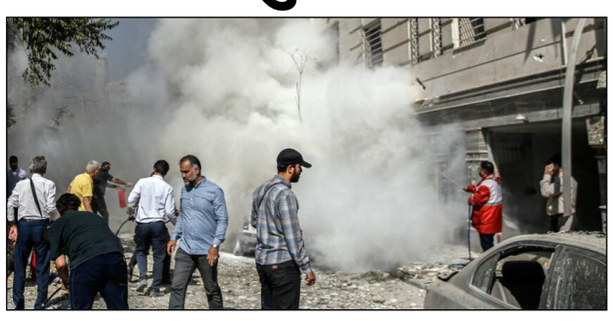

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र में बड़ी संख्या में नाविक और यात्री फंस गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के अनुसार करीब 20 हजार नाविक और 15 हजार क्रूज जहाजों के यात्री खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से समुद्री मार्गों पर हालात गंभीर हो गए हैं। आईएमओ के महासचिव ने कहा कि संगठन प्रभावित नाविकों की सुरक्षा और उनके हालात सुधारने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने को तैयार है। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से क्षेत्र में जहाजों से जुड़े सात घटनाक्रम दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो लोगों की मौत हुई है और सात लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि निर्दोष नाविकों पर हमले किसी भी हालत में उचित नहीं हैं और जहाज कंपनियों से प्रभावित क्षेत्र में काम करते समय अधिकतम सावधानी बरतने की अपील की गई है। इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है, जहां से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी गुजरता है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों में देश के 11 अस्पतालों को नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय के अनुसार सात आपातकालीन केंद्र, नौ एंबुलेंस और चार अन्य चिकित्सा सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। अधिकारियों ने कहा कि हमलों से स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर असर पड़ा है।

खामेनेई के निधन पर भारत ने जताई संवेदना

विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद भारत ने आधिकारिक तौर पर शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नयी दिल्लीस्थित ईरानी दूतावास पहुंचकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए और भारत सरकार की ओर से ईरान के प्रति संवेदना प्रकट की। इस दौरान भारत ने कहा कि वह इस कठिन समय में ईरान की जनता और सरकार के साथ एकजुटता और सहानुभूति व्यक्त करता है। खामेनेई का निधन 28 फरवरी 2026 को हुआ था। उनकी मौत अमेरिका और इजरायल के हवाई हमले में हुई। 86 वर्षीय खामेनेई 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में सत्ता में थे और लगभग चार दशकों तक देश की राजनीति और विदेश नीति पर उनका निर्णायक प्रभाव रहा।खामेनेई के निधन और पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत ने सावधानीपूर्ण और संतुलित प्रतिक्रिया दी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे बन रहा बहुक्षेत्रीय औद्योगिक कॉरिडोर

➪ मेडिकल डिवाइस से इलेक्ट्रॉनिक्स तक, हाई वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग का संगठित क्लस्टर मॉडल
➪ फिल्म सिटी से फिनटेक सिटी तक, क्रिएटिव और डिजिटल इकोनॉमी का संगम

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस-वेऔद्योगिक विकास प्राधिकरण यीडा द्वारा विकसित और प्रस्तावित औद्योगिक सिटीज का स्वरूप अब पारंपरिक औद्योगिक प्लॉटिंग से आगे बढ़कर एक संगठित सेक्टर आधारित आर्थिक ढांचे के रूप में सामने आ रहा है। योगी सरकार में मेडिकल डिवाइस पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, टॉय सिटी और अपैरल पार्क जैसे स्थापित प्रोजेक्ट्स के साथ फिल्म सिटी, फिनटेक सिटी और विदेशी साझेदारी पर आधारित थीम सिटीज मिलकर यमुना एक्सप्रेस-वे को बहु क्षेत्रीय औद्योगिक कॉरिडोर में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।सेक्टर 28 में 350 एकड़ में विकसित मेडिकल डिवाइस पार्क और सेक्टर 24 में 200 एकड़ का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर उच्च मूल्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किए गए हैं। सेक्टर-33 में 100 एकड़ की टॉय सिटी और सेक्टर-29 में 175 एकड़ का अपैरल पार्क श्रम आधारित उद्योगों को संगठित ढांचा उपलब्ध करा रहे हैं। परियोजनाओं को इस तरह डिजाइन किया गया है कि कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक की सप्लाई चेन एक ही कॉरिडोर में विकसित हो सके।सेक्टर-21 में लगभग 1000 एकड़ में प्रस्तावित फिल्म सिटी को केवल मनोरंजन परियोजना के रूप में नहीं देखा जा रहा है। इसे मीडिया, कंटेंट प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन और डिजिटल सेवाओं के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके समानांतर सेक्टर-11 में 500 एकड़ में प्रस्तावित फिनटेक सिटी मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र को डिजिटल वित्तीय सेवाओं से जोड़ने का प्रयास करेगी। इससे औद्योगिक इकाइयों को भुगतान, निवेश और वैश्विक लेनदेन के लिए एकीकृत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने की रणनीति सामने आ रही है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के दृष्टिकोण से सेक्टर-5ए में जापानी सिटी, सेक्टर-4 में कोरियन सिटी और सेक्टर-7 में सिंगापुर सिटी के लिए 500-500 एकड़ भूमि चिह्नित की। परियोजनाओं का उद्देश्य केवल विदेशी निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि संबंधित देशों की तकनीक, प्रबंधन प्रणाली और औद्योगिक कार्य संस्कृति को स्थानीय ढांचे में समाहित करना भी है। औद्योगिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन सिटीज में एंकर कंपनियां स्थापित होती हैं तो इससे क्षेत्र में सहायक उद्योगों और सेवा क्षेत्र को भी गति मिलेगी।टप्पल क्षेत्र में 200 एकड़ का प्रस्तावित लॉजिस्टिक्स पार्क इस पूरे औद्योगिक ढांचे को आपूर्ति और वितरण प्रणाली को मजबूती देगा। सेक्टर-29 में 200 एकड़ का एमएसएमई पार्क छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़े उद्योगों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। इससे स्थानीय उद्यमियों को उत्पादन श्रृंखला का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि की संभावना है। यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास विकसित हो रही इन औद्योगिक सिटीज का प्रभाव केवल निवेश तक सीमित नहीं रहेगा। भूमि उपयोग, आवासीय टाउनशिप, स्किल डेवलपमेंट संस्थान और सहायक सेवाओं के विस्तार से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य बदलने की संभावना जताई जा रही है।

राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी होली मिलन कार्यक्रमों में शामिल हुए

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने गुरुवार को लालगंज और आसपास के क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न होली मिलन कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने लोगों को पर्व की शुभकामनाएं दीं और मेलजोल तथा भाईचारे को भारतीय संस्कृति की पहचान बताया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि होली का पर्व भारतीय समाज में सौहार्द का प्रतीक है, जो दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति की पहचान को मजबूत करता है। उन्होंने स्वयं और क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से भी लोगों को होली की बधाई दी। सांसद तिवारी लालगंज बाजार में घर-घर और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जाकर लोगों से मिले और होली की खुशियां साझा कीं। जलेसरगंज-लालगंज मोड़ पर ब्लॉक प्रमुख इंजीनियर अमित सिंह पंकज और चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी के नेतृत्व में व्यापारियों, सभासदों और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। कालाकांकर रोड, प्रतापगढ़ रोड, बाबा घुइसरनाथ रोड और रायबरेली रोड पर भी विभिन्न स्थानों पर गाजे-बाजे और फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया गया। कालाकांकर रोड पर चौक के समीप आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें भेदभाव भूलकर मजबूत राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण का संदेश देता है। यहां कार्यक्रम आयोजकों ने उन्हें भगवान राधाकृष्ण का चित्र और पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने नगर स्थित रवि त्रिपाठी म्यूजिकल इंस्टीट्यूट में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां भक्ति गीतों के साथ होली का माहौल उत्साहपूर्ण रहा। इसके अतिरिक्त, नगर में कई अन्य कार्यक्रमों में उन्हें गुलदस्ते और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। होली के अवसर पर सांसद प्रमोद तिवारी ने हनुमत निकेतन में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा, वह घुइसरनाथ रोड सहित कई स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए और लोगों से मुलाकात की।

पहड़िया में 8 मार्च से शुरू होगा नौ दिवसीय विराट मानस सम्मेलन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। श्री रामचरित मानस समिति के तत्वावधान में गौतम बुद्ध नगर कॉलोनी, पहड़िया स्थित पार्क में आगामी 8 मार्च 2026 से 16 मार्च 2026 तक नौ दिवसीय उत्तरीय विराट मानस सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की पूर्णाहुति एवं हवन 17 मार्च 2026 को संपन्न होगी। यह जानकारी मानस सम्मेलन के संस्थापक एवं अध्यक्ष क्षत्रधारी सिंह एडवोकेट ने दी। उन्होंने बताया कि मानस सम्मेलन प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होगा। सम्मेलन में प्रख्यात मानस वक्ताओं द्वारा श्रीरामचरितमानस की अमृतमयी और रसपूर्ण कथा का श्रवण कराया जाएगा। प्रमुख वक्ताओं में पंडित मानस कोविद डॉ. मदन मोहन मिश्रा, पंडित भैयालाल पाठक 'मानस मधुर', पंडित भास्कर शास्त्री, पंडित रामचंद्र मिश्रा, मानस विदुषी हीरामणि दुबे, डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी सहित अन्य विद्वान वक्ता शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह मानस सम्मेलन प्रति वर्ष अब तक वासुदेव नगर कॉलोनी में आयोजित होता रहा है, किंतु इस वर्ष इसे गौतम बुद्ध नगर कॉलोनी, पहड़िया स्थित पार्क में संपादित किया जाएगा। समिति की ओर से सभी मानस प्रेमियों से अपील की गई है कि वे इस मानस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तन, मन और धन से सहयोग प्रदान करें तथा अपने जीवन को सफल बनाएं।

जीआरपी बैरक में होली मिलन समारोह धूमधाम से आयोजित।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। जीआणरपी बैरक में होली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जीआरपी प्रभारी इंस्पेक्टर रजोल नागर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सभी पुलिसकर्मियों ने मिलकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों के बीच आपसी भाईचारा और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। सभी ने मिलकर होली के पर्व की खुशियां साझा कीं और एक-दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हेड कांस्टेबल सौभाग्य पांडे, हेड कांस्टेबल अश्वनी सिंह, हेड कांस्टेबल दानिश मासूम सहित जीआरपी के अन्य सिपाही भी मौजूद रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लेकर त्योहार की खुशियां मनाईं।

ओम नगर कॉलोनी में भक्ति रस की बही गंगा, संगीतमय सुंदरकांड पाठ सम्पन्न।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ओम नगर कॉलोनी स्थित पुलिस इंस्पेक्टर संपूर्णानंद राय के आवास पर भक्ति एवं संगीतमय सुंदरकांड पाठ विधि-विधान पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और पूरा वातावरण राममय बना रहा। विद्वान एवं व्यास कथाकार बृजेश कुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को यह पाठ आयोजित किया जाता है। उनके मार्गदर्शन में श्रद्धालु भक्तिभाव से सुंदरकांड का श्रवण एवं पाठ करते हैं। कार्यक्रम में उनके सहयोगी विनय दूबे ने रामायण के प्रसंगों के साथ संगीतमय भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। राम मंदिर एवं अन्य धार्मिक भजनों की नवीन प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। नीलम राय ने बताया कि अगला सुंदरकांड पाठ आगामी 7 अप्रैल, मंगलवार को और भी अधिक धूमधाम से आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

दबंगों ने किया जानलेवा हमला,थाने में दी तहरीर

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

पटियाली। नशे में धुत हुड़दंगों ने मामूली विवाद में युवक पर जानलेवा हमला कर दिया आपको बता दें रास्ते में मोटरसाइकिल धोने के मामले में उपजे विवाद ने थाना क्षेत्र के गांव नगला खिन्नी गांव के रहने वाले पवन कुमार पुत्र गंगा सिंह पर गांव के ही दबंगों ने तेजधार वाले नुकीले हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया पीड़ित के परिजनों ने कई लोगों के विरुद्ध जानलेवा हमला एवं जान से मारने की धमकी के संबंध में थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस जानलेवा हमले से हमारा पूरा परिवार सदमे में है तथा हमारे पारिवारिक जनों के साथ कोई भी घटना घटित हो सकती है जिसकी पूरी जिम्मेदारी हमलावरों की ही होगी। हमलावरों ने पीड़ित पवन कुमार से मोबाइल भी छीन लिया है हालांकि पुलिस ने तहरीर लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ग्राम प्रधान पति ने होली मिलन समारोह आयोजित किया

प्रतापगढ़। कुंडा में ग्राम प्रधान पति अनिल मौर्य ने गुरुवार को अपने निवास तुलसी का पुरवा में एक होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर एक अखिल भारतीय रंगारंग कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शुरू हुआ। दूर-दराज से आए महान कवियों ने अपनी कविताओं से सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कवि सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी। इनमें छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से हास्य व्यंग्य के राष्ट्रीय स्तर के मंच संचालक श्री राजेंद्र मौर्य शामिल थे। वीर रस के राष्ट्रीय कवि डॉ. रणजीत सिंह और श्रृंगार एवं नारी प्रधान कविताओं के लिए जया मिश्रा ने भी अपनी रचनाएँ सुनाईं। रज्जू भैया विश्वविद्यालय से उत्कृष्ट गीत गजलकार डॉ. पीयूष मिश्रा श्पीयूषश, परियांवा से अपनी माटी थाती के गीतकार कपिल देव तिवारी

विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस पर पथराव, 43 के खिलाफरिपोर्ट दर्ज

फ्तेहपुर। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इस हमले में एक वरिष्ठ उपनिरीक्षक (एसएसआई) सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने 43 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, जिसमें 28 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना बुधवार देर शाम बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के फरीदपुर-मंडराव मार्ग पर स्थित छोटेलालपुर गांव में हुई। गांव के कुछ लोग सड़क से गुजर रहे राहगीरों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे और अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। सूचना मिलने पर सरकंडी चौकी इंचार्ज, उपनिरीक्षक प्रमोद सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को ऐसा करने से रोका। इस दौरान कुछ ग्रामीण चौकी इंचार्ज से उलझ गए, जिससे कहासुनी बढ़ गई और विवाद गहरा गया। स्थिति बिगड़ती देख चौकी इंचार्ज ने कोतवाल हेमंत मिश्रा को सूचना दी, जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के पहुंचते ही कुछ ग्रामीण उग्र हो गए और पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस पथराव में कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक वृंदावन राय, सरकंडी चौकी इंचार्ज प्रमोद सिंह, सिपाही रामप्रकाश और सिपाही रमाकांत घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया।आरोपियों में छोटेलालपुर गांव का निवासी मुख्य आरक्षी अखिलेश कुमार भी शामिल है, जो वर्तमान में कौशांबी जनपद में तैनात है। सरकंडी चौकी इंचार्ज प्रमोद सिंह की तहरीर पर पुलिस ने तेज बहादुर, पंकज, मुकेश बीरू, अवनीश और तीन महिलाओं सहित 13 नामजद व्यक्तियों और एक अज्ञात के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की है।

योगी सरकार की पहल से आधी आबादी के जीवन में उजाला

➲30 हजार विद्युत सखियां बनीं आत्मनिर्भर
➲ग्रामीण यूपी में महिलाओं ने किया कमाल, अब तक 3250 करोड़ रुपये का किया रिकॉर्ड बिजली बिल कलेक्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। योगी सरकार की श्विद्युत सखी योजनाश् ग्रामीण महिलाओं के जीवन में न केवल उजाला ला रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत भी कर रही है।

अब तक इन ग्रामीण महिलाओं ने अपनी मेहनत और लगन से 3,250 करोड़ रुपये से अधिक का बिजली बिल संग्रह कर एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड कायम किया है, जो महिला सशक्तीकरण का एक सशक्त मॉडल बन गया है। अभी 30 हजार महिलाओं को विद्युत सखी के तौर पर पंजीकृत किया जा चुका है। 15 हजार से अधिक महिलाएं पूरी सक्रियता के साथ फील्ड में तैनात होकर घर-घर जाकर बिजली बिल जमा करवा रही हैं। योगी सरकार की योजना है कि प्रशिक्षण और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बाकी बची महिलाओं को भी जल्द ही मैदान में उतार दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण ऊर्जा सेवा में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की जा सके। इस योजना ने महिलाओं के लिए सम्मानजनक आय का एक मजबूत जरिया तैयार किया है। ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत सखियों को दो हजार रुपये तक के बिजली बिल कलेक्शन पर 20 रुपये का कमीशन दिया जाता है, जबकि दो हजार से अधिक के बिल पर एक फीसदी कमीशन मिलता है। इस योजना के जरिए आज गांवों में हजारों श्दीदियांश् लखपति बन चुकी हैं और समाज व परिवार में उनका मान-सम्मान भी काफी बढ़ा है।उत्तर प्रदेश में इस योजना के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को बिजली बिल कलेक्शन एजेंट के रूप में सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया था। इस सफल पहल से जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को लंबी लाइनों से छुटकारा मिला है और उनके लिए बिल जमा करना आसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के लिए यह योजना रोजगार का एक बेहतरीन साधन साबित हुई है।

व्यापारी से मारपीट में दो पर मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

प्रतापगढ़। कुंडा कोतवाली क्षेत्र में होली के दौरान एक व्यापारी से मारपीट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफमुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कुंडा के मुख्य चौराहे पर हर साल की तरह इस बार भी व्यापारियों द्वारा होली का आयोजन किया गया था। इसमें बाजार के कई व्यापारी शामिल थे। इसी दौरान व्यापारी नेता अंपित केसरवानी का कस्बे के बीनू यादव और शुभम यादव से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मौके पर मौजूद अन्य व्यापारियों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था। आरोप है कि विवाद शांत होने के बाद अंपित केसरवानी अपने घर पुराना कुंडा चले गए। कुछ देर बाद बीनू यादव और शुभम यादव अपने साथियों के साथ अंपित के घर पहुंच गए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे अंपित केसरवानी घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फ्रार हो गए। पीड़ित अंपित केसरवानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 4 मार्च को कुछ लोग आपस में विवाद कर रहे थे, जिसे उन्होंने बीच-बचाव कर शांत कराया था। इसके बाद जब वह अपने घर पर होली खेल रहे थे, तभी बीनू यादव और शुभम यादव घर पहुंचकर मारपीट करने लगे। कुंडा कोतवाल मनोज पांडे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर बीनू यादव और शुभम यादव के खिलाफमुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का एपीएससी के विज्ञापनों पर कड़ा प्रहार-कोचिंग सेंटरों को हटानी होगी सफल अभ्यर्थियों की फोटो।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। लोक सेवा आयोग (एपीएससी) की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री ने राज्य के कोचिंग सेंटरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। विशेष रूप से सफल अभ्यर्थियों के नाम और फोटो का उपयोग कर चलाए जाने वाले कोचिंग सेंटरों के विज्ञापनों पर उन्होंने तीव्र आलोचना की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अगले एक सप्ताह के भीतर सभी असामान्य सेवा कोचिंग सेंटर ऐसे विज्ञापन हटा लें। इसी तरह सफल अभ्यर्थियों को उनके फोटो ऐसे विज्ञापनों से तत्काल हटवाने का उन्होंने आदेश दिया।मुख्यमंत्री ने आक्षेप जताते हुए कहा कि कोचिंग सेंटर छात्रों को भौंरा की तरह महज कुछ बातें सिखाते हैं और उसके बाद विज्ञापन के नाम पर व्यापार शुरू कर देते हैं। वे अभ्यर्थियों के मन में ऐसी धारणा बिठाते हैं मानो उनकी यह सफलता केवल कोचिंग सेंटर के कारण ही हासिल हुई हो। ऐसी मानसिकता के खिलाफ टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोचिंग सेंटर में जो पढ़ाया जाता है, एपीएससी उसका उल्टा प्रश्न पूछता है ताकि वास्तविक योग्यता की परीक्षा हो। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों को केवल एसीएस या एपीएस तक सीमित न रहने बल्कि यूपीएससी के लिए भी खुद को तैयार करने का आह्वान किया। सरकार ने ऐसे योग्यतावान लोगों को तैयारी की सुविधा वाले स्थानों पर नियुक्ति देने का भी उन्होंने आश्वासन दिया। नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्षों में राज्य सरकार ने 1 लाख 60 हजार नियुक्तियां पूरी की हैं और इसके विरुद्ध एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। पूर्व सरकार के दौर में एपीएससी नौकरियों के लिए करोड़ों के लेन-देन की जो कहानी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विप्लव कुमार शर्मा के प्रतिवेदन में उल्लेखित है, वह वातावरण अब पूरी तरह शुद्ध हो चुका है, ऐसा उन्होंने दावा किया। उन्होंने निकाली गई नियुक्ति का उदाहरण देते हुए नूपुर बरा का प्रसंग भी उठाया और कहा कि निकालकर नियुक्ति पाने पर भी यदि कोई भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया तो सरकार कठोर कार्रवाई करेगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वर्तमान युग में प्रौद्योगिकी के उपयोग में वृद्धि हो चुकी है, इसलिए कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेकर या भ्रष्टाचार कर बच नहीं सकता। पिछले पांच वर्षों में राजस्व विभाग में सर्वाधिक मंडल ग्रेप्तार होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि आयकर से छिपाकर नगद धन रखना अब इतना आसान नहीं है। प्रौद्योगिकी की सहायता से महीने भर के अंदर किसी भी आरोपी को पकड़ा जा सकता है, ऐसा उन्होंने सख्ती से कहा। इसलिए नई नियुक्ति पाने वाले अधिकारियों को अपने कार्यालय में एक स्वच्छ और निष्कलंक वातावरण बनाने का उन्होंने आह्वान किया।इस समारोह में असम लोक सेवा आयोग के सफल अभ्यर्थी उत्साह से भरे नजर आए। मुख्यमंत्री के भाषण ने न केवल कोचिंग सेंटरों को आईना दिखाया बल्कि युवा अधिकारियों को नई ऊर्जा प्रदान की। राज्य सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अब एक मिसाल बन चुकी है।

हरियाणा की धरती पर सम्मानित हुए रायबरेली के दो साहित्यकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

महराजगंज/रायबरेली।जिले में स्थित अमांवा विकास खंड की दुसौती ग्राम सभा में जन्मे और पले-बढ़े कविराज डॉ. शिवकुमार सिंह %शिव% एवं पूरे सेवकी सिंह निवासी रायबरेली काव्य रस साहित्य मंच के संस्थापक शिवनाथ सिंह %शिव% को हरियाणा के रोहतक जिले में स्थित तहसील कलानौर के ठिकाणा सतीभाई सांई दास जी महाराज की पावन धरती पर निराला साहित्य मंच एवं हरियाणा साहित्य अकादमी के द्वारा आचार्य सूर्य कांत त्रिपाठी निराला जी के जन्मदिन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्रीय सम्मान एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में जहा कविराज डॉ. शिवकुमार सिंह %शिव% को 卐सूर्य कांत त्रिपाठी निराला गौरव卐 सम्मान से सम्मानित किया गया वहीं डॉ. शिवनाथ सिंह %शिव%रायबरेली को 卐मुंशी प्रेमचंद निराला गौरवरत्न卐 सम्मान से सम्मानित किया गया इस अवसर पर देश भर से आए चालिस से अधिक साहित्यकार सम्मानित हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण निराला साहित्य मंच के सरल एवं सौम्य पदाधिकारी जगजीत निराला एवं गीतांजलि अरोड़ा को मिली डाक्ट्रेट की उपाधि रही जिसे गोरख पुर से पधारे सौहार्द शिरोमणि प्रोफेसर डॉ. सौरभ पाण्डेय एवं उनकी टीम द्वारा प्रदान किया गया।इस मौके पर हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक धर्मदेव विद्यार्थी, निराला साहित्य मंच के अध्यक्ष डॉ सत्यवीर निराला, डाक्टर मधुकांत, डाक्टर अशोक कुमार मंगलेश, डाक्टर अहसान अहमद,स्वामी रामसुखदास, डाक्टर नरेश मिश्र, डाक्टर पूर्ण चंद्र टंडन, एडवोकेट बच्चन राम अरोड़ा, डाक्टर हनुमान कौशिक,रोशन लाल तहसीलदार, डाक्टर करतार सिंह जाखड़, एडवोकेट बीरबल चित्रा,की मौजूदगी में डाक्टर सत्यवीर निराला की पुस्तक 卐भाई बैर न करो卐डाक्टर फूलकुमार की पुस्तक卐हरियाणवी रागनी卐 कविराज डॉ. -शिवकुमार सिंह %शिव%की पुस्तक 卐आपनि माटी आपन बोल卐 सहित पाँच पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर जिन चालिस साहित्यकारों को सम्मानित किया गया उनमें प्रमुख रूप से पूरे देश के कई प्रांतों सहित प्रमुख शहरों की सहभागिता रही।

इंग्लैंड को हराकर भारत रचे इतिहास, बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से मांगा जीत का आशीर्वाद।

➤ श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर भारतीय क्रिकेट टीम का बढ़ाया मनोबल।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। गंगा निर्मलता के लिए नित्य प्रति प्रेरित करती नमामि गंगे टीम ने टी - 20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम पर भारतीय टीम की जीत के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर आरती उतारकर बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से कामना की। गुरुवार की सुबह भारतीय क्रिकेटरों की तस्वीर, क्रिकेट बैट इत्यादि लेकर राष्ट्रध्वज के साथ नमामि गंगे ने आमजन के साथ टी - 20 विश्व कप में भारत की जीत के लिए शंखनाद किया और भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। भारत माता की जय, चक दे इंडिया, जीतेगा भाई जीतेगा - हिन्दुस्तान जीतेगा, बढ़ते चलो के गगन भेदी उद्घोष से ललिता घाट गूंज उठा। नमामि गंगे के सदस्यों के साथ माताओं, बहनों, बुजुर्गों, युवाओं ने मिलकर टीम इंडिया के लिए प्रार्थना की। राज्य स्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी रहे गंगा सेवक नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि? अगर भारत को फाइनल का टिकट चाहिए, तो इंग्लैंड के खिलाफ साधारण नहीं, बल्कि खास प्रदर्शन करना होगा। भारत के 140 करोड़ लोगों की कसौटी पर मेहनत से खरा उतरना होगा । श्रीकाशी विश्वनाथ और मां गंगा से प्रार्थना है कि भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में विजयी होकर फाइनल में पहुंचे । प्रार्थना और उत्साहवर्धन के दौरान प्रमुख रूप से नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला, मनीष शर्मा, निशि गर्ग, उत्कर्ष केसरी, संजय गर्ग, अमन एवं बड़ी संख्या में भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसक मौजूद रहे ।

सकारात्मक सोच वाली ताकतों की होती है सदैव विजय- योगी

☐ सनातन पर प्रश्न उठाने वालों को होली जैसे पर्व का अहसास नहीं
☐ होली मिलन समारोह में गीतों का आनंद उठाया मुख्यमंत्री ने, खेली फूलों की होली

लखनऊ। रंगोत्सव के पावन अवसर पर बुधवार दोपहर बाद गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएम योगी ने होली मिलन कार्यक्रम में उमड़े लोगों पर फूलों की वर्षा की और सभी को होली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाली ताकतें सदैव विजयी होती हैं। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में होली मिलन समारोह में सीएम योगी ने कहा कि समाज में हमेशा दो प्रकार की ताकतें होती हैं। एक अच्छी सोच वाली ताकतें और दूसरी नकारात्मक सोच वाली ताकतें। नकारात्मक सोच वाली ताकतें हमेशा विध्वंसात्मक गतिविधियों को प्रश्रय देती हैं, जबकि सकारात्मक सोच वाली ताकतें अच्छी कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ती हैं और उनका परिणाम हमेशा सुखद होता है। शांति, आनंद, उल्लास और उमंग के साथ होलिकोत्सव का आयोजन भी सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का सुफल है। देश और दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबियों ने उमंग और उत्साह के साथ समरसता के महापर्व होली का आयोजन कर अपनी विरासत पर गर्व की अनुभूति की। सनातन धर्म की श्रेष्ठता पर वही लोग प्रश्न करते हैं, जिन्हें होली जैसे पर्व का अहसास नहीं होता है। होली जैसे पर्व में न भेदभाव होता है और न ही छुआछूत होती है। सनातन धर्म के पर्व व त्योहार किसी न किसी महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी घटना से जुड़े हैं। इनके माध्यम से हमारी ऋषि परंपरा ने समाज को नई दिशा, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। सनातन धर्म के पर्व व त्योहार एकांकी नहीं होते बल्कि उनमें सामूहिकता का भाव होता है। समाज का हर तबका इसमें सहभागी बनता है। होली मिलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुपरिचित लोकगायक राकेश श्रीवास्तव व उनकी टीम की तरफसे प्रस्तुत होली गीतों का आनंद उठाया। सांसद रविकिशन ने भी होली गीत सुनाया। होली गीत सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों पर पुष्पवर्षा कर फूलों की होली खेली।

दो युवकों ने की आत्महत्या की कोशिश,एक की इलाज के दौरान मौत

प्रतापगढ़। जिले में होली से ठीक पहले की रात आत्महत्या के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। ज्ञानपुर थाना क्षेत्र में दो युवकों ने फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। इनमें से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को समय रहते बचा लिया गया और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पहला मामला नगर पंचायत गड़वारा क्षेत्र के शिवराजपुर डिहवा का है। यहां विमल सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत फंदा काटकर विमल को नीचे उतारा और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दूसरी घटना नगर पंचायत गड़वारा के चौरा मोहल्ले की है। यहां 22 वर्षीय मंजीत सोनी पुत्र पूर्णमासी सोनी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी होते ही परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मंजीत के पिता पूर्णमासी सोनी की करीब एक माह पहले ही मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद से मंजीत काफी मानसिक तनाव में था और पहले भी कई बार आत्महत्या करने की कोशिश कर चुका था। सूचना मिलने पर अंतू थाना क्षेत्र की आरटीओ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ने बाइक को मारी टक्कर ससुर-दामाद की मौत महिला की हालत नाजुक

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत किसान पथ बुद्धू खेड़ा पर भीषण सड़क हादसा हो गया. हादसे में तेज रफ्तार एक्सयूवी ने जोरदार टक्कर मारी प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि उलटी दिशा से आ रही अनियंत्रित एसयूवी ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारी टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक के परखच्चे उड़ गए वहीं बाइक में सवार दामाद,ससुर की मौके पर ही मौत हो गई और पत्नी भी लहुलुहान हालत में गंभीर रूप से घायल। वही हाइवे पर 1 घंटे यातायात बाधित रहा सूचना पर पहुंची भारी पुलिस बल ने शवों और घायल को ट्राम 2 पीजीआई भेजा।

इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि एसयूवी (यूपी 32 क्यू वाई 1854) चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने और हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए फरार एसयूवी चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है. परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। मृतकों की पहचान मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा, नंदाई का पुरवा निवासी सुशील कुमार (46) और उनके ससुर मुन्नी लाल (65) सुशील की पत्नी बबली (40) के रूप में हुई है। अपनी पत्नी और ससुर के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर रिश्तेदार के घर जा रहे थे। करीब 3 बजे जैसे ही बाइक (यूपी 32 ओजेड 6912) सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के किसान पथ बुद्धू खेड़ा पहुंची, उल्टी दिशा से आ रही एक काली एक्सयूवी (यूपी 32 क्यू वाई 1854)ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे. सुशील और मुन्नी लाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सुशील की पत्नी लहूलुहान हालत में तड़पती मिलीं, जिन्हें पुलिस ने ट्राम 2 पीजीआई में भेजा। बबली की हालत नाजुक है। हादसे के बाद किसान पथ पर अफरा-तफरी मच गई परिजनों और ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा. सूचना मिलने पर मौके पर एडीसीपी,एसीपी दक्षिणी ऋषभ यादव, सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय, पीजीआई थाना इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि आरोपी कार चालक पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी जिसके बाद जाम खोला गया।

अतरौली स्थित डॉन बॉस्को अनाथालय में प्रीति सोनकर जन कल्याण सेवा फाउंडेशन ने मनाया होली महोत्सव

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। होली महोत्सव का आयोजन बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। यह कार्यक्रम प्रीति सोनकर जन कल्याण सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों के साथ रंगों और खुशियों का त्योहार मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ फूलों की होली खेली गई तथा उन्हें गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। फाउंडेशन की टीम द्वारा बच्चों को मिठाइयां, उपहार एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। फाउंडेशन की ओर से कहा गया कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव का प्रतीक है। समाज के हर वर्ग तक खुशियां पहुंचाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखना ही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने वृद्धाश्रम पहुंचकर दी होली की शुभकामनाएं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आदिल नगर स्थित वृद्धाश्रम में होली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल ने पहुंचकर वृद्धजनों से मुलाकात की और उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं। राजधानी लखनऊ में नगर निगम के जोन-7 अंतर्गत आदिल नगर स्थित वृद्धाश्रम में गुरुवार को होली के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की और उन्हें होली की बधाई दी। महापौर ने वृद्धजनों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि समाज में वरिष्ठजनों का अनुभव और मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है और त्योहारों पर उनसे मिलना सौभाग्य की बात है.इस मौके पर नगर आयुक्त गौरव कुमार, क्षेत्रीय पार्षद शिवम उपाध्याय, पार्षद प्रतिनिधि दीपक तिवारी समेत नगर निगम के अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने वृद्धजनों के साथ समय बिताते हुए प्रेम और सौहार्द के साथ होली का पर्व मनाया।

आयतुल्लाह अली खामिनेई की शहादत पर भव्य जुलूस, हजारों मोमिनीन ने दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सय्यद अली खामिनेई की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इज़राइल के संयुक्त हवाई हमलों में हुई शहादत ने पूरी दुनिया के शिया समुदाय को गहरे शोक में डाल दिया है। भारत के उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी इस दुखद घटना का गहरा असर देखने को मिला, जहां शिया मुसलमानों ने बड़े पैमाने पर शोक व्यक्त किया। 2 मार्च 2026 की रात लगभग 8 बजे, साहदातगंज इलाके में स्थित मस्जिद नवाब घसीटा नूरबाड़ी से एक अजीमो-शान जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में हजारों की तादाद में मोमिनीन (शिया समुदाय के लोग) शामिल हुए, जिन्होंने मातम मनाते हुए और नारे लगाते हुए हिस्सा लिया। जुलूस नूरबाड़ी से शुरू होकर बुनियादबाग, काज़मैन होते हुए अंत में दरगाह हज़रत अब्बास (अ.) पहुंचा। यह जुलूस खामिनेई की शहादत के विरोध और उनकी याद में निकाला गया था। शिया समुदाय के लोगों ने उन्हें हमारा शेर और हुसैनी करार देते हुए अमेरिका व इज़राइल के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। तुम कितने हुसैनी मारोगे, हर घर से हुसैनी निकलेगा जैसे नारे पुराने शहर की गलियों में गूंजते रहे। कई जगहों पर काले परचम लहराए गए, इमामबाड़ों पर शोक का माहौल रहा और बाजारों में बंदी का ऐलान किया गया। लखनऊ के प्रमुख शिया धर्मगुरुओं ने तीन दिवसीय शोक की घोषणा की थी, जिसके तहत शहर भर में शोकसभाएं, मातम और कैंडल मार्च निकाले गए। पुराने लखनऊ के छोटे इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा और अन्य इलाकों में लोग खामिनेई की तस्वीरें लेकर सड़कों पर उतरे। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने रोते-बिलखते अमेरिका-इज़राइल के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया। यह घटना लखनऊ के शिया समुदाय की एकजुटता और ईरान के साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती है। लखनऊ में ऐसे जुलूस और प्रदर्शन पहले भी हुसैनी परंपरा के तहत निकाले जाते रहे हैं, लेकिन इस बार की शहादत ने इसे और अधिक भावुक बना दिया। समुदाय के नेताओं का कहना है कि खामिनेई की शहादत इस्लामी क्रांति को कमजोर नहीं कर पाएगी, बल्कि इसे और मजबूत बनाएगी। शिया समुदाय ने ईरान में जारी 40 दिवसीय राष्ट्रीय शोक का समर्थन करते हुए भारत में भी एकजुटता दिखाई है। लखनऊ सहित यूपी के कई शहरों में इसी तरह के विरोध और श्रद्धांजलि कार्यक्रम जारी हैं।

समाचार

शातिर अंतरजनपदीय वाहन चोर को दबोचा, 4 वाहन बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के उत्तरी ज़ोन के अंतर्गत थाना मड़ियांव पुलिस ने मंगलवार को वाहन चोरी के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक शातिर अंतरजनपदीय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चोरी के कुल 4 वाहन बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मड़ियांव पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध की रोकथाम और वांछित अपराधियों की तलाश में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि एक शातिर चोर चोरी के वाहनों के साथ मड़ियांव पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास मौजूद हैं, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और अभियुक्त को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान 1 धीरज कनोजिया उर्फ़ धन्त्री,हाल पता डीएसई,523, सेक्टर सी थाना विकासनगर लखनऊ,2 लुकमान निवासी निकट स्पोर्ट्स कालेज डिपो चौराहा थाना गुडंबा लखनऊ, पुलिस ने अभियुक्त के पास से चोरी के 4 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। मड़ियांव थाने में चोरी के मुकदमे दर्ज थे। अभियुक्त के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), 317(2) और 317(4) के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेजने की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सनसनीखेज खुलासा हत्या करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुवे हत्या के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया, वादी के पुत्र सूरज गौतम, चाकू से वार कर हत्या कर देने के संबंध में लिखित तहरीर दिया, दुबग्गा थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने पुलिस टीम को सख्त निर्देश दिये पुलिस टीम आरोपियों को तलाश करने में जुटी हुई,कि मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार अभियुक्तों नाम 1 सिद्धांत कुमार तिवारी उर्फ मोहित तिवारी, निवासी ग्राम बेगरिया थाना दुबग्गा लखनऊ,2 रंजना पत्नी कैलाश चंद्र तिवारी निवासी ग्राम बेगरिया थाना दुबग्गा लखनऊ, 3 शिप्रा तिवारी उर्फ शिवानी तिवारी, निवासी ग्राम बेगरिया थाना दुबग्गा पुलिस लखनऊ, दुबग्गा पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है,

जन समस्याओं के निस्तारण में शिथिलता अक्षम्य-योगी

लखनऊ। गोरखपुर में जनता के साथ बुधवार दिनभर होली की खुशियां साझा करने के बाद मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए। इसमें शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद चलकर पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की और सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

अत्याधुनिक सुविधाओं से बाल मन का हो रहा सर्वांगीण विकास

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में शिक्षा की मजबूत नींव आंगनबाड़ी केंद्रों से रख रही है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में 20,000 से अधिक सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा ईसीसीई किट का वितरण किया गया। प्रदेश सरकार का मानना है कि तीन से छह वर्ष की आयु बच्चों के बौद्धिक विकास की सबसे संवेदनशील अवस्था होती है। ऐसे में यदि इसी चरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री और वैज्ञानिक पद्धति उपलब्ध करा दी जाए, तो आगे की शिक्षा यात्रा सशक्त बनती है। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा ईसीसीई किट के लिए प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को 39000 रुपये योगी सरकार दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीतिदृ2020 में भी 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों के लिए ईसीसीई को महत्व देते हुए स्कूली शिक्षा के बुनियादी स्तर में इसे सम्मिलित किया गया है। ईसीसीई के अन्तर्गत संसाधनों के रूप में प्रीदृस्कूल किट तथा ईसीसीई मैनुअल पहल, वार्षिक गतिविधि कैलेंडर, बाल गतिविधि पुस्तिका उपलब्ध कराई जाती है।

इमाम हसन के जन्मदिन पर जरूरतमंदों की मदद, 109 परिवारों को रमज़ान राशन वितरित

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया हुसैनी फंड की ओर से इमाम हसन के जन्मदिन के मौके पर रमज़ान माह को देखते हुए जरूरतमंद परिवारों के बीच राशन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को राहत सामग्री दी गई। राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया शिया हुसैनी फंड द्वारा इमाम हसन के जन्मदिन के अवसर पर समाज सेवा का सराहनीय कार्य करते हुए रमज़ान माह के लिए जरूरतमंदों को राशन वितरित किया गया। इस दौरान कुल 109 परिवारों को करीब 32 किलो राशन का पैकेट दिया गया। राशन किट में तेल, शक्कर, चावल, आटा, दालें, सेवईं और नमक समेत अन्य जरूरी खाद्य सामग्री शामिल थी, जिससे रमज़ान के पाक महीने में जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके। कार्यक्रम में चेयरमैन मोहम्मद ज़की, इसारूल हसन, हसन मेहदी झब्बू, हुसैन ज़ामिन, शाहिद काज़मि और रईस आलम समेत अन्य लोगों ने राशन वितरण में भाग लिया और जरूरतमंदों की मदद की। राशन वितरण से पहले मौलाना सखलैन आब्दी ने इमाम हसन के जीवन, उनके त्याग, सब्र और इंसानियत की शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और लोगों को उनकी शिक्षाओं पर चलने की नसीहत दी।

यूपी इको टूरिज्म को लगे डिजिटल पंख

लखनऊ। प्रकृति प्रेमियों और रोमांचक पर्यटन के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश के इको टूरिज्म स्थलों की संपूर्ण जानकारी, बुकिंग सुविधाएं और जरूरी मार्गदर्शन अब बस एक क्लिक की दूरी पर उपलब्ध होंगे। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा तैयार कराया गया यूपी इको टूरिज्म मोबाइल ऐप प्रदेश के वन्य जीव अभ्यारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, जंगल ट्रेल्स, झरनों और नदियों जैसे प्राकृतिक आकर्षणों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समेटते हुए पर्यटकों को विशेष अनुभव प्रदान करता है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि डिजिटल युग की मांगों के अनुरूप विकसित यूपी इको टूरिज्म ऐप प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात है। यह पहल पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ने के साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा देगी। प्रदेश को इको-फ्रेंडली, सतत और जिम्मेदार पर्यटन के नए दौर में भी अग्रसर करेगी। यह ऐप अभी शुरुआती चरण में है, जिसमें लगातार बदलाव किए जा रहे हैं। इस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उपयोगकर्ता उत्तर प्रदेश के इको टूरिज्म स्थलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिनमें फोटो, वीडियो, मार्ग विवरण, आसपास के आकर्षण, गंतव्य तक पहुंच संबंधी जानकारी और यात्रा के लिए उपयुक्त समय आदि शामिल है। इसमें राष्ट्रीय उद्यान, वेटलैंड्स, नेचर ट्रेल्स, फॉरेस्ट सर्किट, ग्रामीण पर्यटन और नदी आधारित गतिविधियों को आसानी से ढूंढा जा सकता है। स्मार्ट सर्च और फिल्टर की मदद से गंतव्यों डेस्टिनेशन को जिला, गतिविधियों के प्रकार, बजट, दूरी, लोकप्रियता और रेटिंग के आधार पर ढूंढा जा सकता है। ऐप में स्वाइप आधारित नेविगेशन सुविधा दी गई है, उपयोगकर्ता पसंदीदा स्थल को सेव कर सकते हैं या अगले विकल्प को देख सकते हैं। जीपीएस सपोर्ट स्मार्ट मैप्स और नेविगेशन फीचर के जरिए इको टूरिज्म साइट्स, ठहरने के विकल्प, गतिविधियों और नजदीकी आकर्षण देखे जा सकते हैं। टर्न-बाय-टर्न दिशा निर्देश, आसपास के स्थानों की जानकारी और ऑफलाइन मैप्स की सुविधा कम नेटवर्क वाले क्षेत्रों में भी उपयोगी रहती है।यूपी इको टूरिज्म ऐप कई मायनों में खास है। नवाचार का सुन्दर प्रयोग करते हुए उपयोगकर्ता को यात्रा कार्यक्रम इटिनेरेरी का विकल्प भी दिया गया है।

बक्शी का तालाब में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों का हमला, कई घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

बीकेटी । बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र के ग्राम गोहाना कला में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक मारपीट में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रास जानकारी के अनुसार ग्राम गोहाना कला निवासी बॉबी रैदास पुत्र विकास रैदास ने बताया कि दिनांक 04 मार्च 2026 को गांव में पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी अजय, शिवा, आशीष, भानु, पप्पू एवं भजन लाल रैदास सहित अन्य लोगों ने मिलकर अचानक उन पर और उनके साथियों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान आरोपियों ने प्रार्थी और उसके परिजनों को बेरहमी से पीटा। मारपीट में बॉबी रैदास के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि उनके पिता को भी बुरी तरह पीटा गया। वहीं घटना में अन्य लोग भी घायल हो गए और उनकी बहन का हाथ टूट गया।

गंभीर हालत में किया गया रेफर

घटना के बाद परिजन घायल बॉबी रैदास को तत्काल इलाज के लिए 100 सैया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ के लिए रेफर कर दिया।

घटना का वीडियो भी मौजूद

पीड़ित पक्ष का कहना है कि मारपीट की पूरी घटना का वीडियो भी मौजूद है, जिसमें आरोपियों द्वारा की गई हिंसा साफ दिखाई दे रही है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि विपक्षीगण दबंग प्रवृत्ति के हैं और अक्सर गांव में झगड़ा व मारपीट करते रहते हैं, जिससे उनके परिवार को लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है।

पुलिस से की कार्रवाई की मांग

पीड़ित पक्ष ने थाना बक्शी का तालाब में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी इतिहास

वैसे तो दुनिया में अभी भी पांच-छह युद्ध जारी है और उनकी गंभीरता को कम नहीं माना जा सकता। लेकिन ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है। उनकी कमाई और रोजी-रोटी से ज्यादा उनकी जान की बन आई है और उनसे जुड़े हिन्दुस्तानी परिवारों और पूरे हिन्दुस्तान में बेचौनी महसूस की जा रही है। फिर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है जिसका असर कितना और कैसा होगा इसकी कल्पना मुश्किल है। जंगी विस्फोटों और तेल तथा गैस के ठिकानों से होने वाले प्रदूषण का असर भी कहीं एक जगह भर नहीं रुकेगा। जंग वैसे भी कितने स्थायी दोस्त और उससे ज्यादा दुश्मन बना देता है। भारत ने युद्ध के अरब देशों में पसरने और ईरान द्वारा अमेरिकापरस्त अरब देशों के ठिकानों पर आक्रमण करने के बाद शांति और अयुद्ध के पक्ष में बयान दिया है लेकिन अभी भी काफी सारे लोगों को इंतजार ही है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके साथियों की हत्या की निंदा करे, ईरान पर इजरायली हमले और अमेरिकी दखल की निंदा करे। उसके बगैर उसका बयान अधूरा है और यही गिना जाएगा कि वह इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई के पक्ष में है। इसमें यह तथ्य और जुड़ जाएगा कि हमले से ठीक पहले हमारे प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा होती है और वहां की संसद को संबोधित करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाते हैं। वैसे भी भाजपा और संघ इजरायल का पक्षधर रहा है। अनेक समझौतों के साथ वह गर्मजोशी भी इसी पक्ष में गई ली जाएगी जो मोदी और नेतन्याहू के बीच दिखी। इस बीच भारत ने मुश्किल ठिकानों पर फंसे हिंदुस्तानियों को स्वदेश लाने का काम जरूर शुरू कर दिया है। लेकिन जब संख्या करोड़ के आसपास हो तो यह काम कैसा और कितना मुश्किल है यह भी कल्पना की जा सकती है। जंग शुरू करने के पीछे अमेरिका या इजरायल की मंशा ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना या उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करना है। इस थ्योरी को आज कोई नहीं मानता, बल्कि अभी तक ईरान पर जो हमले हुए हैं उनमें स्कूल तो निशाने पर आये हैं लेकिन किसी परमाणु ठिकाने का नंबर नहीं आया है और अभी तक ईरान का जो रवैया है और ईरानी आमजन में जो प्रतिक्रिया है उससे लगता नहीं कि वह बहुत आसानी से हथियार डालेगा या अमेरिका आसानी से उसके यहां वेनेजुएला जैसा सत्ता परिवर्तन करा लेगा। लगभग पचास साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सैनिक और धार्मिक जमात का ईरानी गठजोड़ वैसे भी इतना मजबूत बन चुका है कि वह किसी 86 साल के बूढ़े नेता के न रहने के चलते बिखरने वाला नहीं है। अमेरिका ईरान में अपने सैनिक या सहयोगी सैनिक भेजकर वहां की लड़ाई में टिक पाएगा इसकी गुंजाइश भी नहीं लगती। वैसे भी अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने का खेल खेलकर मात खा चुका है। यह लड़ाई कभी औरतों के नाम पर होती है कभी लोकतंत्र के नाम पर। अब वह सीधे जंग में उतरने के बाद ये नाम भी नहीं ले सकता और वियतनाम से लेकर दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि वह इतने नाराज देश की सरजमीं पर कदम भी रखने से बचेगा। वह बाहरी खेल से सत्ता परिवर्तन जरूर चाहेगा। हमारे लिए ईरान और खामेनेई के पक्ष में बयान भी न दे पाने की वजह ईरानी शासन का अभी तक चला स्वरूप ही है। इसमें भाजपा का इजरायल और मुसलमान श्प्रेमश् तो कारण है ही प्रधानमंत्री की ट्रम्प से श्मैत्रीश् भी एक कारण है। लेकिन सच कहें तो सबसे बड़ा कारण ईरान शासन का अब तक का रिकार्ड भी है जो सही मतलब में लोकतंत्र और औरतों या दूसरे पंथों के खिलाफ रहा है। लेकिन इन सबके बावजूद इसी सरकार ने उससे व्यापारिक और अन्य संबंध रखे थे, प्रधानमंत्री वहां दौरा भी कर आये थे। और चाबहार बंदरगाह वाली संधि करके फूले न समाते थे पर उससे भी बड़ी बात यह है कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान का कसूर कम हो गया है और इजरायल तथा अमेरिका का कसूर प्रमुख बन गया है। ऐसा भी हो गया है कि आज ईरान खाड़ी के आधा दर्जन से ज्यादा अमेरिकापरस्त देशों के नागरिक ठिकानों पर सीधे हमला करने की गलती कर रहा है तब भी उसका कसूर कम लगता है। जिस बेहयाई और बर्बर ढंग से उसके शासन प्रमुख की हत्या की गई है और उसके यहां हमले हो रहे हैं उसमें हर जवाबी कार्रवाई को श्उचितश् बताने के पर्याप्त तर्क मौजूद हैं। इसलिए भारत द्वारा शांति, अयुद्ध और स्थिरता के पक्ष में बयान देना सही हो सकता है लेकिन यह अपर्याप्त है। युद्ध आज जिस दौर में और भीषण स्वरूप में है और हम उसमें जिस तरह उलझे पड़े हैं वह इससे ज्यादा कुछ की मांग करता है। अक्सर युद्ध में सही गलत की चर्चा आपको एक पक्ष में खड़े होने और फिर उसके लिए युद्ध करने तक ले जाती है इससे शांति और स्थिरता कभी नहीं आती। महाभारत की कथा सब जानते हैं और अंत भी सबको पता है। युद्ध का असली जवाब अहिंसा ही है जो सत्य के प्रति शत-प्रतिशत जवाबदेह होनी चाहिए और हमारी शांति, स्थिरता और वसुधैव कुटुंबकम की चाह के साथ हमें सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस भी होना चाहिए। यह सही है कि आज के राजनयन में देशहित सर्वोपरि है लेकिन एक झूठ का खेल हमें कहां ले जाता है यह हमने आपरेशन सिंदूर पर इन्हीं ट्रम्प साहब के सच झूठ के मामले में देखा है। इसी अमेरिका से व्यापार समझौते के लालच में देखा है इसलिए सच के पक्ष में बोलना, सच की बुनियाद पर रिश्ते बनाना ही समझदारी है, नैतिक है, इतिहास में नाम अमर करने वाला है।

सोनिया की सही सलाह

“ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब गंभीर मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इसमें फिलहाल तसल्ली इसी बात की नजर आ रही है कि आशंकाओं के विपरीत अब विश्वयुद्ध जैसे हालात नहीं बने हैं।”

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब गंभीर मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इसमें फिलहाल तसल्ली इसी बात की नजर आ रही है कि आशंकाओं के विपरीत अब विश्वयुद्ध जैसे हालात नहीं बने हैं। नाटो देशों ने इस युद्ध से एक दूरी बनाई है, जिससे युद्ध का दायरा वैश्विक स्तर पर नहीं बढ़ रहा है। हालांकि इजरायल ने ईरान का साथ देने वाले हिज्बुल्ला पर हमला बोलने के लिए लेबनान पर ही मिसाइलें दागना शुरु किया है। जबकि लेबनान खुद हिज्बुल्ला के साथ नहीं है। मगर युद्धपिपासु नेतन्याहू अपने आक्रमणों का दायरा बढ़ाते जा रहे हैं। वहीं अमेरिका की भी कोशिश यही है कि किसी भी तरह उसे बाकी देशों का साथ मिले। फ्रांस, इटली, ब्रिटेन जैसे देश साफ कर चुके हैं कि उन्हें इस युद्ध का सहभागी बनने में कोई रुचि नहीं है। वहीं कई देश ऐसे हैं, जिन्होंने न ईरान न इजरायल और अमेरिका किसी की भी तरफ झुकाव दिखाया, लेकिन दोनों पक्षों से युद्ध रोकने की अपील की। मगर नरेन्द्र मोदी ने पहले दिन से इजरायल और अमेरिका के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी। जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो भाजपा की पूरी ब्रिगेड नरेन्द्र मोदी के बचाव में उतर गई और साथ ही सोशल मीडिया की सेना भी इस काम में लगा दी गई है।

ईरान में अयातुल्लाह खामेनेई के कारण महिलाओं को कितना दबाया जा रहा था, उनके अधिकारों का हनन हो रहा था, स्त्रियां सुरक्षित नहीं थीं, ऐसे तमाम आरोपों के साथ वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या ईरान की महिलाओं की चिंता करने वालों ने अपने देश में मनुस्मृति को पूरी तरह भुला दिया है, जिसने स्त्री अधिकारों को हर तरह से खारिज किया है। रहा सवाल ईरानी सरकार से वहां की जनता की नाराजगी का, तो उसे बनाए रखना या सत्ता से हटाना या उसके खिलाफ आंदोलन करना या उसके फैसलों को चुपचाप बर्दाश्त करना, यह सब केवल और केवल उसी का अधिकार है। इसमें अमेरिका या इजरायल का तो कोई लेना-देना ही नहीं होना चाहिए।

मगर भाजपा यही साबित कर रही है कि ईरान पर आक्रमण करना सही था। विदेश नीति में किए गए इस आमूलचूल बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस सांसद और संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी का एक आलेख मंगलवार को श्इंडियन एक्सप्रेसश् में प्रकाशित हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता की हत्या एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हुई। यह हत्या तब हुई जब वार्ताएं जारी थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की इस तरह की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर विघटन का संकेत है। उन्होंने इस पूरे मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग की। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में अमेरिका-इजरायल के हमलों का उल्लेख किए बिना केवल ईरान की संयुक्त अरब अमीरात पर जवाबी कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में प्रधानमंत्री ने गहरी चिंता जताई और संवाद और कूटनीति की सामान्य बात कही, जबकि हमलों से पहले यही प्रक्रिया जारी थी। सोनिया गांधी ने अपने लेख में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का जिक्र किया। उनके मुताबिक, बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या करना उस भावना के विपरीत है, जो किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाती है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसे मामलों में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं होती, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य होता जाएगा। सोनिया गांधी ने यह भी लिखा कि जब वैश्विक दक्षिण के कई देश और ब्रिक्स साझेदार दूरी बनाए हुए थे, उस समय भारत का यह रुख गलत संदेश दे सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। नरेन्द्र मोदी या भाजपा में उनके आज के सलाहकारों की लोकतंत्र में जरा सी भी आस्था होती तो सोनिया गांधी के इन विचारों पर गौर किया जाता। मगर अब उल्टा उन्हीं पर आक्रमण शुरु हो गए हैं। एक नेता ने कहा कि हमें विदेश नीति आपसे सीखने की जरूरत नहीं है, आप अपनी पार्टी संभालिए, जिसे लगातार हार मिल रही है। वहीं एक अन्य नेता ने याद दिलाया कि पं. नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी गुटनिरपेक्षता पर चल रहे थे और अब भी वही हो रहा है। इस तर्क के बाद तो लगता है कि या तो भाजपा को गुटनिरपेक्षता का मतलब नहीं समझता या उसने इसकी भी नयी परिभाषा गढ़ ली है। बहरहाल, इस तरह सत्ता को खुश करने के लिए दिया जा रहा अंधा समर्थन आज भले थोड़ा फायदा इन लोगों को दे जाए, लेकिन भविष्य के भारत के लिए यह कितना खतरनाक हो सकता है, सोनिया गांधी ने यही समझाया है।

ईरान पर चुप्पी हमें शर्मसार करेगी

योगेन्द्र यादव

'आप सुनिए मेरी बात। नैतिकता, आदर्श, सिद्धांत ये सब अपने घर-समाज के नियम हैं। विदेश नीति इनसे नहीं चलती है। वहां हर कोई अपना राष्ट्रीय हित साधने आता है। हमें भी यही करना होगा। यही हमारी सरकार कर रही है। आप खामखा उपदेश मत दीजिए।' फिर अपने लहजे को हल्का करने की नीयत से मुस्कुराए और बोले, 'आपको वो गाना याद है, कसमे वादे प्यार वफा, सब बातें हैं बातों का क्या? कोई किसी का नहीं है, झूठे नाते हैं नातों का क्या।' बातचीत शुरू ऐसे नहीं हुई थी। हम फिर पार्क में मिले थे। जैसा जमाने का दस्तूर है, चर्चा खेल और युद्ध पर चल रही थी। टी-20 पर चर्चा ऐसी, मानो खेल नहीं युद्ध चल रहा हो। और ईरान पर हमले और जवाबी हमले की चर्चा ऐसी मानो युद्ध नहीं खेल चल रहा हो। मिसाइल और लाशों को रन और विकेट की तरह गिना जा रहा था। हर हिंदुस्तानी कानून, देसी दवा और क्रिकेट के साथ-साथ अब सामरिक विषयों का एक्सपर्ट भी बन गया था। बुमराह को स्विंग और यॉर्कर सिखाने वाले एक्सपर्ट अब ट्रम्प को हवाई युद्ध और पश्चिम एशिया को कूटनीति सिखा रहे थे। ईरान की तबाही और तेल के दाम पर निरपेक्ष भाव से चर्चा चल रही थी, जैसे मैच से पहले पिच की समीक्षा हो रही हो। भारत के विकल्पों पर चर्चा हो रही थी। मेरे बोलने में जरूर कुछ तल्खी रही होगी। मैंने कहा, जरा एक मिनट के लिए सोचिए, अगर ईरान की जगह हम होते और अगर कोई ऐसी बातचीत कर रहा होता तो हमें कैसे लगता? आखिर किसी की बर्बादी पर हम इतनी चटपटी चर्चा कैसे कर सकते हैं? उन्हें बात नागवार गुजरी थी। हम ईरान की तुलना भारत से कैसे कर सकते हैं? वहां इस्लामी चरमपंथी मुल्लाओं का राज है। जनता उस तानाशाही से मुक्ति चाहती है। यूं भी ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की नाक में दम कर रखा है। चोरी-छुपे एटम बम बना रहा है। उसे रोकना तो पड़ेगा न। इस तरह के तर्क सुनकर मेरे कान पक चुके थे। अमरीका को ईरान के लोकतांत्रिक होने या न होने से रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। सच यह है कि ईरान के पहले लोकतंत्र को खत्म करने का काम 1953 में अमरीका की सी.आई.ए. ने किया था। अमरीका ने ही ईरान पर राजशाही लादी थी, जिसके खिलाफ वहां इस्लामी क्रांति हुई थी। और जो भी बोले, अमरीका तो इस सवाल पर न ही बोले। इसमें कोई शक नहीं कि वहां इस्लाम के नाम पर जो शासन चल रहा है, उससे जनता में भारी असंतोष है। हाल ही में जनता ने विद्रोह किया था, जिसे ईरान की सरकार ने बेरहमी से कुचल दिया था। लेकिन क्या इससे अमरीका को वहां दखलअंदाजी का हक मिल जाता है? अमरीका का जब मन आए वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अपहरण कर ले, जब चाहे ईरान के राष्ट्राध्यक्ष की हत्या कर दे। इसे हम कैसे देखते रह सकते हैं? मुझ जैसे लोगों को हमारी सरकार से लाख शिकायत है लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि उसकी आड़ लेकर कोई विदेशी ताकत भारत की जनता को मुक्त करवाने के नाम पर भारत पर हमला कर दे। सीधी बात है-ट्रम्प को यह मंजूर नहीं कि ईरान उसके सामने सिर उठाकर चले। इसलिए उसने जोर-जबरदस्ती से वहां सत्तापलट करवाने की ठान ली है। एटम बम की बात सरासर झूठ है। अमरीका का रक्षा मंत्रालय कबूल कर चुका है कि ईरान एटम बम बनाने से कोसों दूर है। पिछले साल ईरान पर हमला करने के बाद ट्रम्प ने खुद कहा था कि ईरान के एटमी कार्यक्रम को नेस्तनाबूद कर दिया गया है। ईरान और अमरीका के बीच मध्यस्थता करने वाले बहरीन के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि ईरान लिख कर देने को तैयार था कि वह अभी या भविष्य में कभी भी एटम बम नहीं बनाएगा। अगर अमरीका को चोरी-छुपे एटम बम की चिंता है तो उसे सबसे पहले इसराईल और पाकिस्तान पर हमला करना चाहिए, जिनके पास अवैध एटम बमों का जखीरा है। सच कहूं तो एटम बम रोकने की सारी बात ही पाखंडपूर्ण है। खुद्द दसियों हजार एटम बम रखने वाला अमरीका किस मुंह से दूसरों को पहला बम बनाने से रोक सकता है? कम से कम भारत तो इस पाखंड में शामिल न हो। जब तक हमारे एटम बम को दुनिया की मान्यता नहीं मिली थी, तब तक यही उपदेश हमें भी दिए जाते थे। और बाकी दुनिया को हम यही कहते थे-तुम कौन होते हो हमें सिखाने वाले। हमें तो ईरान के साथ खड़ा रहना चाहिए। कल तक हमारे प्रधानमंत्री ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की दुहाई देते थे। पश्चिम एशिया के कुछेक देश जो आड़े वक्त हमारे काम आए थे, उनमें से ईरान एक है। चलिए खड़े होने की हिम्मत नहीं है तो कम से कम उनके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर अफसोस तो जता सकते थे। इतना तो अमरीका की पिट्ठू पाकिस्तानी सरकार ने भी कह दिया। पता नहीं ट्रम्प के पास ऐसी क्या चाबी है कि मोदी जी सामान्य शिष्टाचार का बयान भी नहीं दे सकते। सच कहूं तो मुझे शर्म आती है। पहले हमारा देश गरीब था लेकिन सिर नहीं झुकाता था। अमरीका के सातवें बेड़े के सामने हमारी कोई ताकत नहीं थी लेकिन इंदिरा गांधी अमरीकी राष्ट्रपति निक्सन को दो-टूक जवाब दे सकती थी। क्या हो गया है हमारी दृष्टि और आदर्शों को? बस मेरे मुंह से 'आदर्श' सुनते ही उन्होंने पलटवार किया था और 'जंजीर' का गीत याद दिलाया था। उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। अब मेरी बारी थी- ''जो परिवार और समाज में होता है वही दुनिया नामक परिवार में भी होता है। न घर सिर्फ नैतिकता और आदर्श से चलता है, न दुनिया बिल्कुल इनके बिना चल सकती है। नैतिकता नीति से अलग नहीं है। दीर्घकाल में राष्ट्रहित को हासिल करने के लिए ही सिद्धांत चाहिए। रही बात आदर्श की, उसे छोड़कर सबसे ज्यादा नुकसान हमारा ही होगा। अगर अमरीका को गुंडागर्दी की छूट मिल गई तो इसी छूट का इस्तेमाल कल चीन भी करेगा। चीन की नजर में पहले ताइवान का नंबर आएगा। और कौन जाने कभी हमारा नंबर भी आ सकता है। अगर आदर्श का दामन छोड़ देंगे तो कल हमारे साथ कौन खड़ा होगा? जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली दुनिया में अगर हम लाठी वाले की लल्लो-चप्पो करेंगे तो इज्जत तो जाएगी ही, एक दिन उसकी लाठी भी हमीं पर पड़ेगी।''अनायास मुझे भी एक फिल्मी गीत की एक पंक्ति याद आ गई।

मेष:- कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।
बृषभ:- किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।
मिथुन:- नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।
कर्क:- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।
सिंह:- अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कन्या:- प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।
तुला:- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अत: व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।
वृश्चिक:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्टा करें।
धनु:- संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।
मकर:- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।
कुंभ:- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।
मीन:- थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

सी.बी.आई: अपने आका की आवाज, सांठगांठ का ब्यूरो

पूनम आई. कौशिश

मध्य -पूर्व में ईरान के विरुद्ध अमरीका और इसराईल द्वारा युद्ध छेडने के बाद सारे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है, तो भारत में भाजपा और 'आप' सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित 23 आरोपियों को दिल्ली आबकारी नीति 2021 के मामले में अनियमितता और रिश्वतखोरी में भूमिका के लिए उन्हें बरी करने से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। स्पष्ट रूप से सी.बी.आई. इस निर्णय से असहमत है और वह अपील करेगी किंतु अभी तक 2009 के 2जी घोटाले में अंतिम निर्णय नहीं आया और यह अभी उच्च न्यायालय में ही पड़ा है। किंतु यह महत्वपूर्ण नहीं है। कोई भी समाज षड्यंत्र, अपराध और भ्रष्टाचार से ऊपर नहीं है। अमरीका ने एपस्टीन फाइल खोली। इस मामले में केजरीवाल की 'आप' कठघरे में थी, जिससे उनकी पार्टी को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। पद पर रहते हुए किसी मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया और यही पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुख्य मुद्दा बना, जिसमें भाजपा की जीत हुई। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे राजनेता हमेशा सी.बी.आई. जांच की मांग क्यों करते हैं। जो नेता सत्ता में होते हैं वे एजैंसी को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं। यह एक दंतविहीन शेर है जो अपने मित्रों की सहायता करता है और विरोधियों के साथ राजनीतिक हिसाब चुकता करता है, क्लीन चिट देता है, राजनीतिक लीपापोती करता है और कानून प्रवर्तकों को कानून तोडने वाला और अपराध तथा भ्रष्टाचार को वैध बनाता है।

ऐसे अनेक आरोप हैं कि एजैंसी का उपयोग किस तरह राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और दबाने के लिए किया जाता है, चाहे कांग्रेस की सरकार में हो या मोदी सरकार में। राजनीतिक विरोधियों पर छापे डाले जाते हैं और इसमें प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग एजैंसी के सहयोगी बन जाते हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है, घंटों तक पूछताछ की जाती है, चार्जशीट बनाई जाती है। महत्वपूर्ण मामले में धीमी कार्रवाई की जाती है, जांच में गड़बड़ी की जाती है या उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है या बिल्कुल नहीं की जाती।

परिणामस्वरूप होता यह है कि अंततरू सी.बी.आई. मामले को सिद्ध नहीं कर पाती। यदि ऐसे मामले में आरोपी मान जाता है तो दबाव कम कर दिया जाता है और यदि नहीं मानता तो दबाव बढ़ा दिया जाता है। दुखद तथ्य यह है कि आज व्यवस्था ऐसी हो गई है कि जो भी दल सत्ता में आता है, सी.बी.आई. उसकी कठपुतली बन जाती है। अपने विरोधियों को दबाने के लिए सी.बी.आई. का दुरूपयोग किया जाता है, चाहे कोई भी दल सत्ता में हो। देश के 19 राज्यों में विभिन्न अदालतों में सांसदों और विधायकों के विरुद्ध 3211 मामले लंबित हैं। इनमें कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही है। इससे एजैंसी की प्रतिष्ठा खराब हुई है क्योंकि वह आरोपों के समर्थन में अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाती। इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की उसकी ईमानदारी और विश्वसनीयता पर भी आशंकाएं पैदा होती हैं। सी.बी.आई. जांच में मुख्य बात यह होती है कि हमेशा कहा जाता है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, किंतु सत्तारूढ़ वर्ग द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध सी.बी.आई. को एक औजार बनाया जाता है। जब एजैंसी धनशोधन निवारण अधिनियम के कठोर प्रावधानों को लागू करती है तो यह अपेक्षा की जाती है कि ठोस साक्ष्य होंगे और मामला भी ठोस बनाया जाएगा। किंतु जब ये मामले न्यायालय में विचारण से पहले ही गिर जाते हैं तो इससे राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में प्रश्न उठते हैं। समय आ गया है कि सी.बी.आई. जांच के उच्च मानक स्थापित करे। उसे यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उसे न केवल कानून से, अपितु जनता के विश्वास से भी शक्ति मिलती है और जब वह गलत या स्वार्थ प्रेरित जांच करती है तो इससे संस्थागत विश्वसनीयता भी समाप्त होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच नहीं होनी चाहिए या हमारे नेताओं को विशेष छूट मिलनी चाहिए। वास्तविकता यह है कि जवाबदेही अपरिहार्य है। किंतु इसके लिए सी.बी.आई. को पारदर्शी ढंग से कार्य करना होगा और कानूनी रूप से उचित प्रमाण और साक्ष्य जोडने होंगे। उसे अपने राजनीतिक माई-बाप के इशारों पर न तो कार्य करना चाहिए और न ही ऐसा दिखना चाहिए कि वह उसके इशारे पर कार्य कर रही है क्योंकि ऐसी धारणा से जनता का कानून के शासन में विश्वास कमजोर होता है और भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होते हैं। गत वर्षों में विभिन्न सरकारें सी.बी.आई. को स्वायत्तता देने और उसके कार्यकरण में सुधार की बात करती रही हैं, किंतु दुर्भाग्यवश अभी तक ऐसा नहीं हो सका। ऐसी स्थिति बन गई है कि जवाबदेही सुनिश्चित करने की बजाय सी.बी.आई. को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर शासन में पारदध्र्शता की बातें करते हैं। समय आ गया है कि अब इन बातों को लागू किया जाए और सी.बी.आई. को स्वतंत्र एजैंसी बनाया जाए, जहां पर वह अपने आका की आवाज न बने और शक्ति का दुरूपयोग न करे। न्यायालय का संदेश स्पष्ट है कि न्याय में देरी हो सकती है, किंतु इससे वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। अब गेंद सरकार के पाले में है। क्या सी.बी.आई. सरकार द्वारा निर्देशित होगी या कानून द्वारा?

पूर्व एमएलसी का भतीजा बाल सुधार-गृह गया, दोस्त के माथे पर लगी, वो मर गया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 13 साल के छात्र की गोली लगने से मौत मामले में पूर्व बसपा एमएलए के भतीजे को बुधवार को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। आरोपी किशोर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने पिता की रिवाल्वर चेक कर रहा था। इस दौरान गलती से गोली चल गई, जिससे दोस्त उनैज की मौत हो गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया किशोर ने गलती से गोली चलने की बात कबूल ली है।

सीसीटीवी में घटना से पहले किशोर अकेले ही गाड़ी से रिवाल्वर लेकर जाते दिख रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। उसके बाद ही कुछ और कहा जा सकता है। सरोजनीनगर के बेहसा गांव में रहने वाले जमीर खान इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते हैं। उनका बेटा उनैज स्टेलामेरी स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। जमीर ने बताया था कृष्णानगर में बालाजी कॉम्प्लेक्स में रहने वाले बिजनेसमैन संजीव त्रिपाठी के यहां सोमवार को बर्थडे पार्टी थी।

संजीव का बेटा अपने दोस्त के साथ मेरे घर पहुंचा। बेटे को साथ ले जाने लगा तो मैंने मना कर दिया। लेकिन, लड़के जबरदस्ती उनैज को लेकर चले गए। बेटा भी दोस्ती के नाते चला गया। सोमवार शाम 7.30 बजे आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने मुझे वॉट्सऐप पर फोन किया। मेरे बड़े बेटे उसैद ने फोन उठाया था। संजीव ने फोन पर कहा था तुम्हारा भाई लोकबंधु में है, तुरंत अस्पताल आ जाओ। इसके बाद हम सभी लोग लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। लेकिन, वहां हमें बच्चे से नहीं मिलने दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने मृत अवस्था में बेटे को दिखाया था।

जमीर खान ने आरोप लगाया था हत्या को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इन लोगों ने रोजे वाले दिन बेटे को मार दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार को शव घर पहुंचा था। जमीर से मिलने वालों का तांता लग गया। सभी लोग उसे ढांढस बंधाने में लगे थे। इस दौरान कई बार लोगों का पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला था। लोगों ने पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए थे। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने पिता जमीर से बात कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था।

बातचीत में जमीर ने एसीपी से कहा था मान लिया कार्रवाई में दो दिन लगेंगे। लेकिन, अगर यही अपोजिट होता। यही गोली मेरे बच्चे से उनके बच्चे को लगी होती तो पुलिस होती, झंडे होते, बुलडोजर होता और मेरा घर होता। पुलिस का डंडा हमारे सारे रिश्तेदार और मोहल्लेवालों पर चल गया होता। अगर पुलिस नहीं करती तो उनसे करवाया जाता। इसके अलावा कोई सवाल नहीं है जहन में। मेरा बच्चा तो चला गया। अब क्या बचा? आरोपी छात्र के चाचा अरविंद कुमार त्रिपाठी उर्फ गुड्डू त्रिपाठी बसपा से एमएलए रह चुके हैं।

जिन्होंने बाद में भाजपा ज्वाइन कर ली थी। जमीर खान का आरोप है कि गोली गलती से नहीं लगी, बीच माथे पर सटाकर मारी गई है। इसके लिए कुछ लोगों ने मेरे बच्चे के हाथ-पैर भी पकड़े होंगे। आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में मुझे देख लेने की धमकी भी दी थी। मृतक के चाचा अतीक खान ने बताया उनैज का हत्यारोपी दोस्त गुड्डू पंडित का भतीजा है। गुड्डू पंडित डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के रिश्ते के साले हैं।

पिता को बचाने आए बेटे को पड़ोसियों ने चाकुओं से गोदा

भाई-बहन और मां ने मिलकर उजाड़ दिया हंसता-खेलता परिवार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मामूली विवाद ने इतना खौफनाक रूप ले लिया कि एक 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक, उसकी बहन और मां पर लगा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया है।

घटना दुबग्गा के बेगरिया इलाके की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब 5 बजे राजेंद्र गौतम अपने घर के बाहर पड़ोसी निशु से बात कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला मोहित मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगा। जब राजेंद्र ने उसे टोकना चाहा, तो विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

शोर सुनकर मोहित की मां रंजना और बहन शिवानी भी मौके पर पहुंच गईं। विवाद के बीच राजेंद्र का बेटा सूरज गौतम (22 वर्ष) अपने पिता को बचाने के लिए दौड़कर आया। आरोप है कि इसी दौरान शिवानी घर के अंदर से चाकू निकाल लाई और अपने भाई व मां के साथ मिलकर सूरज पर हमला बोल दिया। शिवानी ने सूरज के शरीर पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। परिजन आनन-फानन में घायल सूरज को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर लेकर भागे, लेकिन घाव इतने गहरे थे कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूरज एक प्राइवेट फर्म में काम करता था और घर का होनहार बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

दुबग्गा थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने बताया कि इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी बहन शिवानी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

होली के दिन युवक को गोली मारने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। पीजीआई इलाके में होली के दिन गोली चलाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी तमंचा और खोखा बरामद किया है। उसे गुरुवार को जेल भेज दिया गया। सुमन वर्मा, निवासी राजीव नगर, घोसीयाना खरिका तेलीबाग ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा अंकित वर्मा (उम्र 29 वर्ष) अपने साथियों जितेंद्र यादव और नरेंद्र त्रिपाठी के साथ होली खेलकर लौट रहा था। इसी दौरान राजीव नगर निवासी शोभित यादव ने अंकित को गाली देना शुरू कर दिया। मना करने पर शोभित ने अपने हाथ में लिए तमंचे से जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली अंकित के पेट को छूते हुए निकल गई, जिससे वह मौके पर ही घायल हो गया। उसे तुरंत ट्रामा-02 सेंटर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। घायल अंकित की मां सुनीता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी शोभित यादव ने बताया कि करीब एक साल पहले उसके चाचा जितेंद्र यादव के बरक्षाध्तिलक समारोह में अंकित वर्मा से उसकी कहासुनी हुई थी।

शोभित के अनुसार, बुधवार को जब वह अपने घर आ रहा था, तो अंकित वर्मा ने उसे रास्ते में रोककर गाली-गलौज की। इस पर उसने अपने लोवर में रखा तमंचा निकालकर अंकित पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, जिससे उसके पेट में गोली लग गई और खून बहने लगा।गोली लगने के बाद आसपास के लोग अंकित वर्मा को एसजीपीजीआई ट्रॉमा सेंटर ले गए। शोभित ने बताया कि मौका पाकर उसने तमंचे को अपने घर के पीछे झाड़ी में फेंक दिया था। पुलिस ने बुधवार देर शाम शोभित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया था।

धूप ने तेवर दिखाने शुरू किये

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अब गुलाबी सर्दी विदा ले रही है और सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) की मानें तो प्रदेश में अब गर्मी का दौर शुरू हो चुका है और आने वाले एक हफ्ते में तापमान में भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। फिलहाल, बारिश की कोई उम्मीद नहीं है, जिससे सूखी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार से ही धूप ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आगरा, मथुरा, कानपुर और बुंदेलखंड के जिलों (बांदा, हमीरपुर, महोबा) में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। बरेली, मैनपुरी, गोरखपुर, देवरिया, गोंडा, बहराइच और बलिया समेत पूर्वांचल के जिलों में भी दोपहर के वक्त तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। लखनऊ में गुरुवार को मौसम साफ रहने का अनुमान है।

यहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हालांकि, सुबह और शाम के समय अभी भी हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिसे शुगलाबी सर्दीश कहा जा रहा है, लेकिन दोपहर में स्थिति इसके उलट है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पतझड़ की शुरूआत और तेज हवाओं के चलते वातावरण में नमी कम हो गई है। यदि यही स्थिति रही, तो मार्च के दूसरे सप्ताह तक यूपी के कई हिस्सों में तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

न्यूज

होने वाली ससुराल जा रहे सुमित की मौत

माल, लखनऊ, संवाददाता। मोटरसाइकिल से जा रहे युवक की सामने आ रही बाइक से सीधी टक्कर हो जाने से एक कि मौके पर ही मौत हो गयी। वही दूसरे को चोट आई है। मृतक अपनी होनेवाली ससुराल होली खेलने जा रहा था। बुधवार दोपहर लगभग तीन बजे अतरौली थाना क्षेत्र के गडरियन खेड़ा निवासी सुमित होली खेलने के लिये होनेवाली ससुराल चकई गाँव के लिये मोटरसाइकिल से निकला था। वह जैसे ही पिपरी मोड़ पर पहुचा की तभी सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गयी। टक्कर से सुमित छिटककर दूर जा गिरा। आसपास के लोगो ने घायल को उठाकर अस्पताल पहुचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता संतराम ने बताया कि बेटे सुमित की शादी अभी 14 मार्च को होनी थी। वह घर से अपनी होने वाली ससुराल रंग खेलने की बात कह कर निकला था। वही दूसरी मोटरसाइकिल सवार को मामूली चोटें आयी है। पिता ने किसी पर भी कोई आरोप नही लगाया है।

पुलिस लाइन में डीजे की धुन पर झूमे जवान, बग्घी पर सवार होकर पहुंचे पुलिस कमिश्नर

लखनऊ, संवाददाता। होली के रंग आज लखनऊ पुलिस लाइन में भी जमकर बिखरे। ड्यूटी के बाद पुलिसकर्मियों ने त्योहार मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सेंगर बग्घी पर सवार होकर पुलिस लाइन पहुंचे, जहां हजरतगंज से निकली पुलिस की शोभायात्रा ने पूरे जोश के साथ एंट्री मारी। डीजे की धुन पर पुलिस अफसर और जवान जमकर थिरके। सीपी, जेसीपी, डीसीपी, एसीपी से लेकर कांस्टेबल तक सभी ने एक-दूसरे को गुलाल-अबीर लगाया, गले लगे और होली की बधाई दी। कई जगहों पर कुर्ते फाड़कर श्कपड़ा फाड़श स्टाइल में होली खेली गई, जो लखनऊ की पारंपरिक कैसरबाग होली जैसी मस्ती का अंदाज दे रही थी। सफेद कुर्ता-पायजामा और पगड़ी में नजर आए पुलिसकर्मी ढोल-नगाड़ों और होली गानों पर झूमते दिखे।यह आयोजन भाईचारे और आपसी सौहार्द का खूबसूरत संदेश देता है।

माल थाने में पुलिसकर्मियों ने खेली होली

लखनऊ, संवाददाता। होली के मुख्य दिन ड्यूटी पर तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को माल थाने परिसर में उत्साह से पर्व मनाया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद के नेतृत्व में माल थाने के पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया, मिठाई बांटी और होली की शुभकामनाएं दीं। होली के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने के कारण त्योहार का पूरा आनंद न ले पाने वाले पुलिसकर्मी अगले दिन मिलकर खुशियां मनाते हैं। थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया, ड्यूटी के दबाव में हम त्योहार नहीं मना पाते, इसलिए विभागीय परंपरा के तहत दूसरे दिन सब साथ मिलकर भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी समेत सभी पुलिसकर्मी शामिल हुए।

ईरान के स्कूल पर इजराइली-अमेरिकी हमले की अखिलेश ने बताया निंदनीय

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर इजराइली-अमेरिकी हमले की निंदा की। इस हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। यादव ने ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल पर सबसे घातक इजराइली-अमेरिकी हमलों की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 165 छात्राओं की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सपा दोनों घटनाओं की कड़ी निंदा करती है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। यादव ने कहा, श्शिजनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईरान में अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आने के बाद एक मार्च से लखनऊ, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, रायबरेली सहित उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए हैं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम रोड पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह घटना टाइटेनियम ग्लास फैक्ट्री के पास हुई। स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल (यूपी 32 एचजेड 7741) को स्कॉर्पियो (यूपी 32 क्यूडब्ल्यू 0810) ने टक्कर मारी। हादसे में निगोहां थाना क्षेत्र के कासिमपुर निवासी सुनील पुत्र राम नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सुनील को तत्काल एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम भेजा गया। वहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। स्थिति नाजुक बनी रहने पर डॉक्टरों ने उन्हें किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) भेज दिया। बताया जा रहा है कि केजीएमयू ले जाते समय रास्ते में ही सुनील ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

युवक को घेर कर बांका मारा, हालत गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मामूली कहासुनी में एक युवक पर बांके से ताबड़तोड़ वार किए गए। इससे उसके गर्दन पर गहरी चोटें लगी हैं। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाया। मौके से आरोपी फरार हो गया। घायल युवक के परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार शाम करीब 5 बजे जानकीपुरम थाना क्षेत्र के गुड़ियनपुरवा में हुई।

बिजली के निजीकरण व उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों पर होगी चर्चा

संवाददाता।

लखनऊ। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आगामी आठ मार्च को देहरादून में आयोजित की जा रही है।

यह जानकारी देते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक एवं ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि बैठक में उत्तर प्रदेश में चल रही बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया तथा आंदोलनरत बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों के विरुद्ध की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी तथा आगे की रणनीति पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 और प्रस्तावित नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी 2026 के विरोध में भी प्रस्ताव पारित किया जाएगा। फेडरेशन का मानना है कि इन नीतियों के माध्यम से देश के बिजली क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका बिजली उपभोक्ताओं, कर्मचारियों और इंजीनियरों पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता से जोड़कर लगाई जा रही शर्तों का भी फेडरेशन ने कड़ा विरोध किया है। इस विषय पर भी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।

ऊंट पर सवार ब्रजेश पाठक तो खुली जिप्सी में बैठक कर दिनेश शर्मा ने खेली होली

संवाददाता

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में होली के रंग बुधवार को जमकर बिखरे। पुराने लखनऊ के चैक इलाके में आयोजित पारंपरिक होली उत्सव में उत्साह का माहौल रहा, जहां उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा और अन्य भाजपा नेता आम लोगों के साथ मिलकर होली खेलते नजर आए। इस ऐतिहासिक होली जुलूस में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ऊंट पर सवार होकर पहुंचे, जबकि डॉ. दिनेश शर्मा खुली जिप्सी में सवार होकर एक-दूसरे पर पिचकारी और गुलाल से रंग डालते दिखे।

ब्रजेश पाठक ने प्रेशर सिलेंडर और बड़ी पिचकारियों से कार्यकताओं और भीड़ पर रंग बरसाया। जब दिनेश शर्मा ने उन पर रंग डाला, तो ब्रजेश पाठक ने चुनरी से मुंह ढककर मजेदार अंदाज में बचाव किया। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने ढोल बजाते हुए होली की मस्ती में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा पार्षद अनुराग मिश्रा अनु के नेतृत्व में होली बारात निकाली गई, जो चैक चैराहे से शुरू होकर विक्टोरिया स्ट्रीट, अकबरी गेट और गोल दरवाजा होते हुए वापस चैक पहुंची। बारात में हजारों समर्थक शामिल थे, जो ढोल-नगाड़ों, फाग गीतों और रंग-गुलाल के साथ झूमते रहे। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा, चैक की यह होली ऐतिहासिक और बेहद खास है। आज ईरान-अमेरिका के बीच प्रेम की पिचकारी चले, यूक्रेन-रूस का युद्ध समाप्त हो और विश्व में शांति कायम रहे।

अखिलेश यादव हों या मायावती, सभी एक होकर देश के विकास में जुटें। मायावती को जातिवाद से दूर रहना चाहिए। राहुल गांधी का विदेश प्रेम कम हो, हम यही कहेंगे कि वह एक से दो और दो से तीन हो जाएं। पूर्व सांसद लालजी टंडन के बेटे अमित टंडन ने बताया कि यह परंपरा अमृतलाल नागर और लालजी टंडन (बाबूजी) ने शुरू की थी। इसका मकसद था कि समाज के सभी धर्मों और वर्गों के लोग मिल-जुलकर होली मनाएं। जुलूस में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब शामिल होते हैं और लोग रंग-गुलाल के साथ-साथ पुष्पों की वर्षा से स्वागत करते हैं मौजूद अन्य प्रमुख लोगकार्यक्रम में गोविंद शर्मा, ओम दीक्षित, रिद्धि किशोर गौड़, आशीष अग्रवाल, लक्ष्मीकांत पांडे, राहुल रस्तोगी, शालू टंडन, रामदेव, सुरेश मिश्रा (लल्लू) सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सैफई से ही शुरू होगा सरकार बनाने का रास्ता, होली पर अखिलेश ने दिया 2027 का संदेश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सैफई में आयोजित होली महोत्सव के मंच से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का रास्ता एक बार फिर सैफई से ही शुरू होगा और वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उनके इस बयान को आगामी चुनावों की राजनीतिक शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की धरती हमेशा से समाजवादी आंदोलन की दिशा तय करती रही है और यहीं से परिवर्तन की नई लहर उठेगी।

उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करें। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। अनुशासन के बिना कोई भी संगठन अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। उनके इस बयान को संगठन के भीतर कार्यकताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने अंतरराष्ट्रीय हालात का जिक्र करते हुए पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा युद्ध के खिलाफ रही है और देश को महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापारिक समझौतों पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौतों के कारण किसानों, विशेष रूप से आलू किसानों को नुकसान हो सकता है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े एमओयू किए जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता को उसका वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए संगठन को पूरी ताकत से काम करना होगा। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की ताकत के सहारे सपा पहले से भी बड़ी जीत हासिल करने की तैयारी कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की अगली होली और भी भव्य होगी। होली महोत्सव के मंच से दिया गया उनका यह राजनीतिक संदेश अब प्रदेश की सियासत में नई चर्चा का विषय बन गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में होली खेलकर लौटे युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के चैक इलाके में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह होली खेलकर घर लौटा। अचानक उसके मुंह से झाग निकलने लगा और अचेत होकर गिर गया। परिजन उसे अस्पताल ले जाने लगे। रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मिर्जा मंडी कोनेश्वर पुल निवासी शुभम सैनी (28) कचहरी में आउटसोर्सिंग पर काम करते थे। बुधवार को होली खेलकर घर आकर बैठे थे। करीब 2 बजे किसी ने कॉल किया उससे मिलने गए।

वहां से लौटने के बाद अपने कमरे में चले गए। कुछ ही देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। कमरे से नीचे आए मां रंजना से बोलने लगे तबियत बिगड़ रही है, अस्पताल ले चलो। इसके बाद परिजनों ने आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। भाई हर्ष ने बताया अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही शुभम की मौत हो गई। एक महीने पहले बहन आंचल की शादी धूमधाम से की थी। इसके बाद से काफी खुश रहता था। होली वाले दिन बहन और बहनोई भी घर आए थे। सबके साथ मिलकर खूब होली खेली गई। अचानक से उसकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। पुलिस का कहना है अभी कोई तहरीर नहीं मिली है, माइनर अटैक की संभावना लग रही है।

सीएसआर व लोक बंधु अस्पताल बीच समझौता

करीब 65 लाख की लागत से लगेंगे अत्याधुनिक उपकरण

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी स्थित लोक बंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, आशियाना के नेत्र रोग विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कर प्रदेश के एक मॉडल नेत्र चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी योजना के अंतर्गत की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 65 लाख रुपये की लागत से अस्पताल में आधुनिक नेत्र चिकित्सा उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं। इस संबंध में हाल ही में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सोशल एक्शन एंड रिसर्च (प्रसार) लखनऊ तथा लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट संपन्न किया गया है।

परियोजना के तहत अस्पताल को फेको मशीन, फंडस कैमरा, एनडी-यैग लेजर, इंडायरेक्ट ऑप्थाल्मोस्कोप तथा एलसीडी डिजिटल विजुअल एक्यूटी चार्ट जैसे कई अत्याधुनिक उपकरण प्राप्त हुए हैं। इन उपकरणों के माध्यम से मोतियाबिंद सहित विभिन्न नेत्र रोगों की जांच और उपचार अब और अधिक आधुनिक, सटीक और प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि इन आधुनिक उपकरणों की स्थापना से लोकबंधु अस्पताल का नेत्र विभाग प्रदेश के प्रमुख सरकारी नेत्र उपचार केंद्रों में शामिल होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

इससे लखनऊ के साथ-साथ आसपास के जिलों से आने वाले मरीजों को भी उच्च स्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में फेको विधि से मोतियाबिंद का ऑपरेशन निशुल्क किया जा रहा है,जिसमें लेंस सहित संपूर्ण प्रक्रिया मरीजों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है। अब तक हजारों मरीज इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। डॉ.त्रिपाठी ने इस सहयोग के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की यह पहल अन्य संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

तीन हादसों में कोटेदार समेत 5 की मौत

मछरेहटा में काल बनकर दौड़ी कार ने दो महिलाओं को रौंदा

सीतापुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पिछले 48 घंटों के भीतर हुए सड़क हादसों ने कोहराम मचा दिया है। तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों के कहर ने कहीं घर के बाहर काम कर रही महिला को निशाना बनाया तो कहीं काम से लौट रहे मजदूरों और ग्रामीणों की जिंदगी छीन ली। इन हादसों में कुल पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने सभी मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

मछरेहटा में बेकाबू कार ने महिलाओं को कुचला, कोटेदार की भी गई जान

मछरेहटा थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम हादसों के नाम रही। भारांसैनी पुलिया के पास जलालपुर रोड पर सटलिया निवासी शालू 35 अपने घर के बाहर मिट्टी बराबर कर रही थीं, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें रौंद दिया। कार ने आगे जा रही कुनेहटा निवासी रामपति 55 को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मुसौली गांव निवासी कोटेदार अजीत शुक्ला उर्फ बबलू 48 की बाइक को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें बीसीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी प्रभात गुप्ता ने बताया कि फरार वाहनों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

संदना और इमलिया सुल्तानपुर में बुलेट सवार और मजदूर की मौत

संदना थाना क्षेत्र के सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर सोमवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। तारापुर निवासी मनोज 30 की बुलेट बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक से सड़क किनारे बैठा युवक आशीष घायल हो गया। उधर, इमलिया सुल्तानपुर इलाके में सीतापुर-गोला मार्ग पर एक और दुखद घटना हुई। पिपरझला से मकान बनाने का काम कर लौट रहे चाचा-भतीजे की बाइक नौवा अंबरपुर मोड़ के पास अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। इस हादसे में चाचा लक्ष्मण 45 की मौत हो गई, जबकि भतीजा रिंकू गंभीर रूप से घायल है।

जयघोष के साथ पूर्ण हुई 84 कोसीय परिक्रमा

पंचकोसीय यात्रा के साथ श्रद्धालुओं ने पाया पुण्य दधीचि कुंड में डुबकी और संतों की भव्य शोभायात्रा ने बांधा समां

मिश्रिख। नैमिषारण्य के पावन परिक्षेत्र में सोमवार देर रात भक्ति का ऐसा ज्वार उमड़ा कि लाखों श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरी धर्मनगरी गुंजायमान हो उठी। 84 कोसीय परिक्रमा यात्रा अपने सभी 10 पड़ावों को पार कर 11वें पड़ाव मिश्रिख पहुंची, जहां पंचकोसीय यात्रा के समापन के साथ इस महाअनुष्ठान को पूर्णता मिली। होलिका दहन से पूर्व होने वाली इस परिक्रमा के दौरान मिश्रिख तीर्थ उत्सव के रंग में डूबा नजर आया, जहां हर ओर आस्था और विश्वास की तस्वीरें दिखाई दीं। श्रद्धालुओं ने पौराणिक दधीचि कुंड में श्रद्धा की डुबकी लगाई और मिश्रिख परिक्षेत्र की परिक्रमा कर स्वयं को धन्य किया। इस आध्यात्मिक प्रवास के दौरान विभिन्न पड़ावों पर ठहरे संत, महंत और दंडी संन्यासियों के प्रवचनों व कथाओं ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बनाए रखा। परिक्रमा के अंतिम दिन बुजुर्गों से लेकर युवाओं और बच्चों तक में गजब का उत्साह देखा गया, जो भजन-कीर्तन की धुनों पर थिरकते हुए अपनी यात्रा पूर्ण कर रहे थे। आकर्षण का केंद्र संतों की वह भव्य शोभायात्रा रही, जिसमें रथों पर सवार सिद्ध महात्माओं का श्रद्धालुओं ने 'राम नाम' के जयघोष के साथ स्वागत किया। परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने न केवल प्रसाद ग्रहण किया, बल्कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य भी किया। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ साफ-सफाई की व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही, जिससे लाखों की भीड़ के बावजूद यात्रा सुगमता और सुरक्षा के साथ संपन्न हुई।

श्रद्धा और भक्ति का संगमः बाबरे बाबा का तीन दिवसीय मेला शुरू

चचरई गांव में तैयारियां पूरी, होली पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद

जहांगीराबाद। नगर से जुड़े गांव चचरई में आस्था और लोक संस्कृति के प्रतीक 'बाबरे बाबा' का ऐतिहासिक तीन दिवसीय मेला मंगलवार यानि आज से शुरू हो गया है। मेले को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

होली के पावन पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाला यह प्राचीन मेला क्षेत्रवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि बाबरे बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। मेला कमेटी और ग्राम पंचायत द्वारा इस बार और बेहतर व्यवस्था की गई है। मेले में बच्चों के लिए झूले, खिलौनों की दुकानें और पारंपरिक पकवानों के स्टॉल सज गए हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक इंतजाम किए हैं तथा स्वयंसेवकों की टीम भी तैनात की गई है। गांव के बुजुर्गों के अनुसार यह मेला सदियों पुरानी परंपरा का प्रतीक है, जो आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित होता है। मेला तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें जनपद बुलंदशहर सहित आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इस मेले के लिए पहली बार स्थानीय पालिका अध्यक्ष किशनपाल लोधी ने पानी का जिम्मा उठाने का निर्णय लिया है। व्यापारी नेता रोहित पहाड़ी द्वारा सभी को होली की बधाई दी

छतोह फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने किया किसानों को जागरूक

रायबरेली, नसीराबाद , मंगलवार को छतोह फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड लहेंगा कार्यालय छतोंह रायबरेली उत्तर प्रदेश संपूर्ण ब्लॉक क्षेत्र में किसानों के उत्थान के लिए अनवरत दो वर्षों से कार्यरत है समय-समय पर किसान जागरूकता का कार्यक्रम कंपनी करती रहती है कंपनी के आज के कार्यक्रम में डायरेक्टर क्रमशःअभय प्रताप सिंह देवता दीन कनौजिया जितेंद्र प्रताप कंपनी प्रमोटर वीरेंद्र मौर्य इंदल प्रजापति बृजपाल मौर्य सीईओ अब्दुल कुफरान जी सहित क्षेत्र के सम्मानित किसान धुनी सिंह चौहान दलजीत सिंह दीपक मौर्य जगतपाल मौर्य जी रामकरण सिंह जी सोहनलाल लाल बाबूजी बालकृष्ण यादव सहित दर्जनों किसान मुक्त सब्जी बीज वितरण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अज्ञात ट्रक ने मारी ट्रैक्टर को टक्कर चालक गंभीर रूप से घायल ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त

अटरिया सीतापुर। थाना अटरिया क्षेत्र के जयपालपुर के निकट नेशनल हाईवे पर बीती रात करीब 4ः00 बजे एक अज्ञात रखना सीतापुर से लखनऊ की तरफ जा रहे ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक रविंद्र गुप्ता पुत्र रामजीवन उम्र 45 वर्ष निवासी फूल सा घड़ी हैदरगढ़ जिला बाराबंकी का रहने वाला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक रविंद्र गुप्ता हिमाचल प्रदेश के इंडो फार्म रिटायरमेंट लिमिटेड ट्रैक्टर एजेंसी से बछरावां जनपद बाराबंकी के लिए जा रहा था तभी बीती सुबह करीब 4ः00 सीतापुर से लखनऊ मार्ग पर जा रहा था पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर खाई में पलट गया जिससे ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हुआ ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि राहगीरों की मदद से ट्रैक्टर चालक को इटौंजा कस ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया जहाँ पर चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।सूचना पर पहुंची थाना अटरिया पुलिस घटना पर पहुँच कर जाँच पड़ताल कर ट्रैक्टर को थाने पर ले जाया गया।

यूपी में आज से थमेगी पछुआ की रफ्तार, गर्मी दिखाएगी अपना रंग, कई जिलों में पारा 33 डिग्री के पार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अब पूरी तरह करवट ले ली है। बुधवार से अधिकतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है। इससे पहले मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन भर तेज धूप रही। रूखी पछुआ हवाओं ने गर्मी का अहसास और बढ़ा दिया। मौसम विभाग के अनुसार, इन हवाओं की रफ्तार 30 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। इससे वातावरण में शुष्कता बनी रही। तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। झांसी प्रदेश में सबसे गर्म जिला रहा। यहां अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फतेहपुर, वाराणसी और आगरा में भी पारा 33 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में दोपहर के समय धूप तीखी रही। इससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, बुधवार से पछुआ हवाओं की रफ्तार में कमी आएगी। हालांकि अगले तीन से चार दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है।

गोवंश अवशेष कांड का खुलासा, तीन तस्कर गिरफ्तार

चार अन्य आरोपियों की तलाश तेज

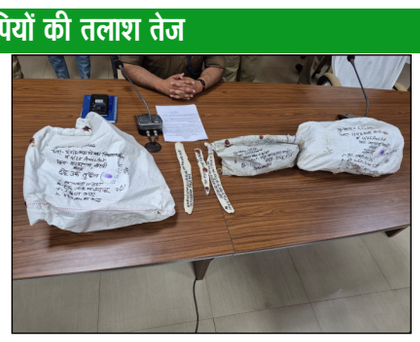

बस्ती। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना वाल्टरगंज पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त घेराबंदी में गोवध से जुड़े तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त हथियार, रस्सियाँ और तराजू-बाट समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। बीते 1 मार्च को थाना वाल्टरगंज के परसालाल शाही गांव स्थित एक पोखरे में गोवंश के अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धारा, गोवंश को चोट पहुँचाना, वध करना और मांस की बिक्री के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीमों ने मंगलवार को करीब 12ः50 बजे मझौवामीर के पास घेराबंदी की। यहाँ से पुलिस ने तीन अभियुक्तों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बब्लू शर्मा निवासी केशवारा, इस्तेखार अहमद निवासी संतकबीर नगर और छोटू उर्फ तुफैल निवासी मझौवामीर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से तीन चाकू, पांच रस्सियाँ, साइकिल ट्यूब, लकड़ी का ठेहा, तराजू और बाट बरामद किए हैं। बिना लाइसेंस के घातक हथियार रखने के कारण पुलिस ने इन पर शस्त्र अधिनियम की धारा भी बढ़ोत्तरी की है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि वे आवारा पशुओं को पकड़कर या खरीदकर उनका वध करते थे और मांस बेचकर जीविकोपार्जन करते थे। आरोपियों ने स्वीकार किया कि 27 फरवरी की रात उन्होंने एक छुट्टा बछड़े का वध किया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया की इस गिरोह में चार अन्य सदस्य भी शामिल हैं जो मौके से फरार होने में सफल रहे। फरार अभियुक्तों में गुलाम रसूल उर्फ बुढ़वा, सफीक उर्फ नऊआ, शमशाद अहमद उर्फ सुगनुआ और मो. नफीस शामिल हैं। पुलिस की टीमें इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। इस सफल अनावरण में वाल्टरगंज थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह, स्वाट सर्विलांस प्रभारी शेषनाथ यादव, उप-निरीक्षक अजय कुमार पाण्डेय और उनकी टीम के मुख्य आरक्षी मृत्युंजय कुशवाहा, पवन तिवारी, देवेश यादव व अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पालिका में उत्साह व उमंग के साथ खेली गई होली

चेयरमैन, ई ओ ने कर्मचारियों संग उड़ाए रंग-गुलाल, सौहार्द का दिया संदेश

जहांगीराबाद। स्थानीय नगर पालिका परिषद परिसर में होली का पर्व हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी, अधिशासी अधिकारी मणि जी सैनी तथा सभासदों ने कर्मचारियों के साथ मिलकर रंग-गुलाल उड़ाए और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी ने कहा कि होली प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का पर्व है। इसे मिलजुलकर मनाने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने नगरवासियों से सुरक्षित और स्वच्छ होली मनाने की अपील भी की। अधिशासी अधिकारी मणि जी सैनी ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि त्योहार आपसी मतभेद भुलाकर साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। इस मौके पर सभासद मनोज शास्त्री, मनमोहन अग्रवाल,धर्मपाल लोधी, मोहित चौधरी, रॉबिन चौधरी, ओम प्रकाश लोधी, संजय सैनी, मनोज गुप्ता, कैलाश सैनी, आदेश शर्मा, हरीश सिसोदिया, गौरव लोधी, जगदीश सैनी, राजू लोधी, उद्यम सिंह, रितिन अग्रवाल, कपिल चौधरी और ललित चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जहांगीराबाद के सजल बंसल और केशव अग्रवाल बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

सीए परीक्षा में सफलता से नगर का नाम रोशन, परिवारों में जश्न का माह

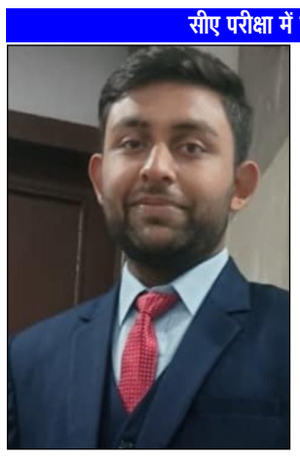

जहांगीराबाद। रविवार देर शाम घोषित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) परीक्षा परिणाम में नगर के दो होनहारों ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही दोनों छात्रों के घरों पर बधाई देने वालों का तांता लग गया और परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। गायत्री नगर निवासी सब्जी मंडी के थोक कारोबारी राकेश बंसल (छुट्टन) के बेटे सजल बंसल ने सीए परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार का गौरव बढ़ाया है। राकेश बंसल सब्जी मंडी में व्यवसायी हैं, जबकि उनकी पत्नी प्रीति बंसल गृहिणी हैं। सजल की इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। मोहल्ले के लोगों और शुभचिंतकों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में मोहल्ला प्रभुदयाल निवासी अतुल अग्रवाल के बेटे केशव अग्रवाल ने भी सीए परीक्षा पास कर सफलता अर्जित की है। केशव के पिता इनवर्टर बनाने का व्यवसाय करते हैं तथा उनकी माता अंचल अग्रवाल गृहिणी हैं। केशव की सफलता पर वार्ड सभासद मनमोहन अग्रवाल ने उनके घर पहुंचकर केशव व उनके माता-पिता को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दोनों सफल छात्रों ने अपनी कामयाबी का श्रेय माता-पिता और गुरुओं को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम और परिवार के सहयोग से यह मुकाम हासिल हुआ है। नर नारायण सेवा समिति के सचिव राजीव अग्रवाल ने कहा कि दोनों होनहारों ने नगर का गौरव बढ़ाया है और संस्था की ओर से शीघ्र ही उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

पांच करोड़ का लोन दिलाने के नाम पर कारोबारी से पांच लाख ठगे, केस दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी

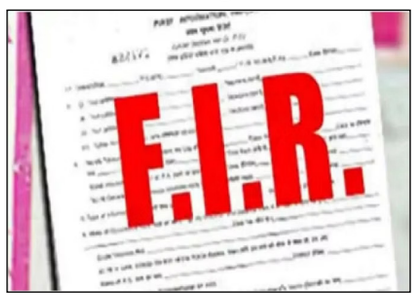

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पांच करोड़ रुपये का लोन दिलाने के नाम पर जालसाजों ने शैलेंद्र कुमार सिंह से पांच लाख रुपये ठग लिए। वह गोमती नगर क्षेत्र के अवध अपार्टमेंट के रहने वाले हैं। उन्होंने दो मार्च को गोमती नगर थाने में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है। शैलेंद्र ने बताया कि आरोपी आलोक दीवान से उनका पहले से परिचय था। एक मार्च को आरोपी ने उनको उनकी कंपनी के नाम पर कम ब्याज दर पर पांच करोड़ रुपये का लोन दिलाने की बात कही। लोन दिलाने के नाम पर एक प्रतिशत प्रोसेसिंग फीस की मांग की। इस पर उन्होंने कंपनी के खाते से आरोपी के बताए गए बैंक खाते में पांच लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये मिलने के बाद आरोपी ने उनको व्हाट्सएप पर लोन संबंधित कुछ दस्तावेज भी भेजे। इसके बाद वह गायब हो गया। जब उन्होंने आलोक से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसने फोन नहीं उठाया। छानबीन करने पर शैलेंद्र को पता चला कि आलोक ने उनके साथ ठगी की है। आरोपी आलोक के साथ ठगी में उसके दो अन्य साथी केपी सिंह और कुणाल भी शामिल थे। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि केस दर्ज करके पीड़ित से बैंक खाते की डिटेल मांगी गई है। सर्विलांस की मदद से आरोपी आलोक की लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच अपनों की फिक्र, सीतापुर प्रशासन ने कसी कमर

पश्चिम एशिया में गहराते संकट को देख जिला प्रशासन अलर्ट, फंसे लोगों की सुरक्षा के लिए उठाए कदम

सीतापुर। पश्चिम एशिया की धरती पर ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग की चिंगारी अब सीतापुर के गलियारों में भी बेचैनी पैदा कर रही है। खाड़ी देशों में मचे इस घमासान और तनावपूर्ण हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। सीतापुर के जो नागरिक इन युद्धग्रस्त क्षेत्रों में कामकाज या किसी अन्य कारण से प्रवास कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रशासन का साफ कहना है कि संकट की इस घड़ी में जिले का कोई भी नागरिक अकेला नहीं है और उनकी सुरक्षित वापसी या सहायता के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। युद्ध की विभीषिका के बीच फंसे नागरिकों का ब्यौरा जुटाने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद स्तर पर हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं। प्रशासन ने नागरिकों के परिजनों से अपील की है कि यदि उनका कोई अपना उस तनावपूर्ण क्षेत्र में फंसा है तो वे घबराएं नहीं। संबंधित व्यक्ति का नाम, पासपोर्ट नंबर, वहां का पता और संपर्क विवरण तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते मदद पहुंचाई जा सके। इसके लिए आपदा कंट्रोल रूम को सक्रिय कर दिया गया है।

मदद के लिए इन नंबरों पर करें संपर्क

परिजनों की सुविधा के लिए प्रशासन ने निम्नलिखित फोन और व्हाट्सएप नंबर सार्वजनिक किए हैं

आपदा कंट्रोल रूम (मोबाइल/व्हाट्सएप)- 9454416556

कंट्रोल रूम (लैंडलाइन)- 05862-245753

राहत आयुक्त कार्यालय, लखनऊ- 9454441081

टोल-फ्री नंबर- 1077

जिला आपदा विशेषज्ञ, सीतापुर- 9559738229

अपर जिलाधिकारी (वि. एवं रा.) नीतीश कुमार सिंह ने बताया कि जिले के उन परिवारों को बड़ी राहत मिली है, जिनके अपने सात समंदर पार युद्ध के साये में दिन काट रहे हैं। प्रशासन का यह कदम संकट की इस घड़ी में सुरक्षा का एक मजबूत भरोसा लेकर आया है।

तरनजीत कौर मां की भूमिका निभाने, रंगमंच के अनुशासन, कविता की शक्ति और अन्य विषयों पर बात करती हैं।

विशेषरू तरनजीत कौर मां की भूमिका निभाने, रंगमंच के अनुशासन, कविता की शक्ति और अन्य विषयों पर बात करती हैं। शब्द – रीत और रिवाज की शांत, भावपूर्ण दुनिया में, तरनजीत कौर का अभिनय उन सभी लोगों के दिलों को छू जाता है जिन्होंने कभी परंपरा और सपनों के बीच चुनाव किया हो। पिता-पुत्र संघर्ष में फंसी मां मनजोत की भूमिका निभाते हुए, तरनजीत सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं हैं, बल्कि कहानी की आत्मा हैं। हमने इस बहुमुखी अभिनेत्री के साथ बैठकर अंतरराष्ट्रीय मंच से लेकर इस वेब सीरीज तक की उनकी यात्रा और इस भूमिका को अपने जीवन के विस्तार के रूप में महसूस करने के कारणों पर चर्चा की। इस आलेख में माँ के दृढ़ संकल्प की शक्तिरू एक वास्तविक जीवन का जुड़ाव, सेट पर आपसी तालमेल और पंजाब का संबंध, रंगमंच के माध्यम से पद्धति और दृढ़ता की यात्रा, मध्य जीवन और समलैंगिक प्रेम की कहानियाँ कहना, कविता एक उद्देश्य के रूप में , आगे क्या? माँ के दृढ़ संकल्प की शक्ति यह श्रृंखला एक ऐसे पिता (सुविंदर विक्की) के बीच तनाव को दर्शाती है जो अपने बेटे (मिहिर आहूजा) को गुरुद्वारा परंपरा का पालन करवाना चाहता है, जबकि बेटा फुटबॉलर बनने का सपना देखता है। तरनजीत बताती हैं कि उनका किरदार, मनजोत, शुरुआत में परिवार की संतुलनकारी शक्ति के रूप में दिखाई देती है, लेकिन अंततः उसमें एक शक्तिशाली परिवर्तन आता है। उन्होंने बताया, ष्मां का किरदार बेहद सशक्त है... वह परिवार की आधारशिला है। जब उन्हें लगता है कि उनके पति उनके बेटे की समस्याओं को नहीं समझ रहे हैं (क्योंकि उनके बेटे को हकलाने की भी समस्या है), तो वह एक स्टैंड लेती हैं। जब एक मां स्टैंड लेती है, तो फिर पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं होता।ष् एक वास्तविक जीवन संबंध तरनजीत के लिए मनजोत का किरदार निभाना सिर्फअभिनय ही नहीं था, बल्कि अपनी जड़ों और अपनी मां को सम्मान देने का भी जरिया था। पंजाबी परिवार में पली-बढ़ी तरनजीत के लिए शबद और कीर्तन दैनिक अनुष्ठान थे, इसलिए उन्होंने सेट पर एक प्रामाणिक स्पर्श जोड़ा और सिख परंपराओं को सटीक रूप से चित्रित करने में भी प्रोडक्शन टीम की मदद की। उन्होंने बताया, ष्इस किरदार को निभाते समय मेरे दिमाग में पूरी तरह से मेरी मां थीं। वह बिल्कुल वैसी ही हैं, हमेशा हम बच्चों और मेरे पिता के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। मेरी बहन और मैंने पारंपरिक क्षेत्रों के बजाय रंगमंच को चुना, और मेरी मां को परिवार को मनाना पड़ा ताकि हम अपने सपनों को पूरा कर सकें।ष् सेट पर आपसी तालमेल और पंजाब से जुड़ाव तरनजीत ने इस बारे में भी बात की कि सुविंदर विक्की जैसे अनुभवी अभिनेताओं और मिहिर आहूजा जैसे युवा प्रतिभाओं के साथ काम करने से यह अनुभव शूटिंग से ज्यादा घर वापसी जैसा महसूस हुआ। उन्होंने उम्र के मामूली अंतर की ओर इशारा करते हुए हंसते हुए कहा, ष्मिहिर और माही के साथ काम करना बेहद आनंददायक था। वे लगभग मुझे माँ की तरह मानते थे।ष् उन्होंने आगे कहा, ष्सुविंदर विक्की के साथ, हम दोनों चंडीगढ़ से हैं और हमारे कुछ कॉमन दोस्त हैं। इससे एक ऐसा सहज माहौल बना जो पर्दे पर हमारी खामोशी और केमिस्ट्री में साफ दिखता है।ष् रंगमंच के माध्यम से पद्धति और दृढ़ संकल्प की एक यात्रा तरनजीत कड़ी तैयारी से अनजान नहीं हैं। ऑस्कर विजेता लघु फिल्म राजू में अपने पदार्पण से लेकर बाफ्टा-नामांकित फिल्म माउथ ऑफहेल तक, जिसमें उन्होंने कोयला खनिक की भूमिका निभाने के लिए 15 दिनों तक बिना पानी के रहने का कारनामा किया था, वह अपने 20 से अधिक वर्षों के रंगमंच प्रशिक्षण पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रशंसा के बावजूद, वह उद्योग की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात करती हैं और कहती हैं, ष्पिछले 10 वर्षों में यह एक कठिन सफर रहा है... संघर्ष यह रहा है कि कई परियोजनाएं तुरंत रिलीज नहीं हो पातीं। लेकिन रंगमंच आपको अपने कौशल का अभ्यास करते रहने का अनुशासन सिखाता है, ठीक वैसे ही जैसे एक डॉक्टर सिखाता है।ष् मध्य जीवन और क्वीर प्रेम की कहानियाँ सुनाना स्क्रीन से परे, तरनजीत अपने नाटक श्द चाय क्वींसश् से रंगमंच में धूम मचा रही हैं, जिसने वृद्धावस्था में समलैंगिक प्रेम के चित्रण के लिए विश्व स्तर पर पुरस्कार जीते हैं। उनके लिए, 40 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करना अत्यंत महत्वपूर्ण था। उन्होंने समझाया, ष्40 की उम्र पार करने के बाद, आपको लगातार मां या सहायक किरदार निभाने के लिए संपर्क किया जाता है। समलैंगिक लोगों या मध्य आयु वर्ग के लोगों का प्रतिनिधित्व अच्छा नहीं है। मैं उन लोगों की प्रेम कहानी बताना चाहती थी जो मध्य आयु तक पहुंच चुके हैं। यह महिलाओं की दोस्ती की कहानी है और यह दिखाती है कि सामाजिक दबाव में बड़े होने पर हम खुद को कैसे खो देते हैं।ष् कविता एक उद्देश्य के रूप में तरनजीत की रचनात्मक अभिव्यक्ति केवल अभिनय तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे एक प्रख्यात कवयित्री भी हैं जिनकी रचनाएँ लाखों लोगों तक पहुँच चुकी हैं। उनके लिए, कविता उनके द्वारा निभाए गए किरदारों और एक कलाकार के रूप में उनकी वास्तविक आवाज के बीच एक सेतु का काम करती है। उन्होंने आगे कहा, ष्एक कलाकार के रूप में, मुझे लगा कि मेरी एक आवाज है और मैं उस आवाज को लाखों महिलाओं तक पहुंचाना चाहती थी। चाहे वह दुर्व्यवहार हो, शारीरिक अपमान हो या आत्म-प्रेम, अगर मैं एक भी व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित कर सकूं, तो मुझे लगता है कि मैंने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया है। मेरे पिता हमेशा कहते थे कि हर कोई इस दुनिया में एक उद्देश्य के साथ आता है, मुझे लगता है कि कहानी सुनाना मेरा उद्देश्य है।ष् आगे क्या होगा? तरनजीत फिलहाल थिएटर के लिए रिहर्सल कर रही हैं और साथ ही बरुण सोबती के साथ फिल्म श्इकत्थेश् और जेल डायरीज सीरीज की रिलीज की तैयारी भी कर रही हैं, जिसमें वह एक कैदी का किरदार निभा रही हैं। वह अनुराग कश्यप, श्रीराम राघवन और विशाल भारद्वाज जैसे निर्देशकों के साथ काम करने की भी उम्मीद रखती हैं, जो दिलचस्प महिला किरदारों को गढ़ने के लिए जाने जाते हैं।

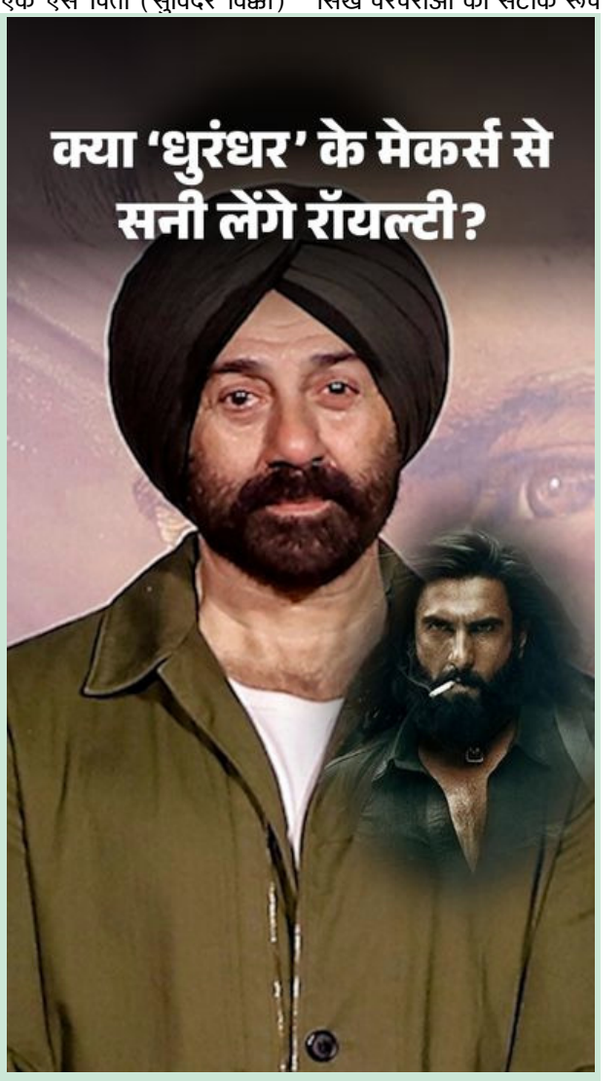

फिल्म धुरंधर के डायलॉग को लेकर एक्टर सनी देओल ने रॉयल्टी मांगने से इनकार कर दिया है। दरअसल, धुरंधर में एक्टर रणवीर सिंह का एक डायलॉग- फघायल हूं, इसलिए घातक हूंफ, सनी देओल की पुरानी फिल्मों 'घायल' और 'घातक' की ओर इशारा करता है। इसी संदर्भ में हाल ही में ।छप् को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या इस डायलॉग के लिए वे रॉयल्टी मांगेंगे, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि ऐसा करने का उनका कोई इरादा नहीं है। सनी देओल ने कहा कि फिल्म के निर्देशक आदित्य धर उनके बड़े फैन हैं। उनके मुताबिक, सिर्फ सम्मान के लिए ही यह डायलॉग इस्तेमाल किया गया। उन्होंने यह भी कहा, फमतलब, उन्होंने टाइटल का इस्तेमाल किया, जो बहुत स्वीट है।फ बता दें कि आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह स्पाई थ्रिलर फिल्म 5 दिसंबर 2025 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर घ1300 करोड़ से अधिक का ग्लोबल कलेक्शन किया है। वहीं, सनी देओल इन दिनों अपनी नई रिलीज 'बॉर्डर 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। दुनिया भर में फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन घ460 करोड़ के पार पहुंच चुका है। बता दें कि फिल्म बॉर्डर 2, 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है।

भाबीजी घर पर हैं फेम अंगूरी भाभी उर्फ शुभांगी अत्रे का मानना है कि वेलेंटाइन डे सिर्फकपल्स और रोमांटिक प्यार के लिए ही नहीं होता है. शुभांगी ने कहा मेरे जैसे इंसान के लिए जो प्यार में विश्वास रखता है और लोगों को प्यार करना पसंद करता है, उसके लिए हर दिन वेलेंटाइन डे है. शुभांगी ने ये भी कहा कि उनके लिए प्यार की शुरुआत घर से ही होती है, जिसमें उनके पेरेंट्स, उनकी बेटी आशी और उनके करीबी दोस्त शामिल हैं. शुभांगी ने कहा,श्प्यार सिर्फ कपल्स तक सीमित नहीं होता, ये केयर, इज्जत और इमोशनल सपोर्ट के बारे में होता है.श् हर दिन वेलेंटाइन जैसा है शुभांगी ने आगे कहा कि उनकी लाइफमें जो रिश्ते हैं, उसके लिए वो खुद को ग्रेटफुल समझती हैं और खुद को 14 फरवरी के दिन अकेला महसूस नहीं करती हैं. शुभांगी ने आगे वेलेंटाइन डे के बारे में बात करते हुए कहा,श्मैं जिन लोगों से प्यार करती हूं, उनके साथ हर दिन मेरे लिए वेलेंटाइन डे जैसा है. मुझे नहीं लगता कि इसे सेलिब्रेट करने के लिए मुझे किसी स्पेशल डेट की जरूरत है.श् शुभांगी अत्रे ने ये भी कहा कि पहले वो वेलेंटाइन डे को एक बड़े उत्सव के दौर पर देखती थीं. लेकिन, वक्त के साथ उनकी ये सोच बदल गई. शुभांगी कहती हैं कि श्सच्चा प्यार हम जो पल रोज जीते हैं उसमें होता है, छोटे-छोटे गेस्चर में होता है.श् शुभांगी को अक्सर स्क्रीन पर रोमांस करते हुए देखा गया है. ऐसे में एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच एक क्लियर लाइन खींची हुई है. एक्ट्रेस कहती हैं,श्फमैं पूरी तरह से दिल से एक निराशाजनक रोमांटिक इंसान हूं.श् शुभांगी ने आगे कहा,श्लेकिन रियल लव में अप्स एंड डाउन और मिसअंडरस्टैंडिंग के साथ ग्रोथ भी देखने को मिलता है.श् वो कहती हैं कि उनके लिए परफेक्शन से ज्यादा कंफर्ट और इमोशनल कनेक्शन प्यारा है. शुभांगी कहती हैं कि उनके लिए सेल्फ लव और सेल्फ केयर की बहुत अहमियत है. वेलेंटाइन डे का प्लान एक्ट्रेस ने बहुत सिंपल रखा हुआ है, वो इस दिन अपने चाहनेवालों के साथ टाइम स्पेंड करना करेंगी.साथ ही खुद को पैंपर भी करेंगी.

ईरान-इस्राइल के बीच जारी संघर्ष का असर! जिम्बाब्वे टीम को स्वदेश लौटने में क्यों हो रही दिक्कत?

नई दिल्ली। ईरान-इस्राइल संघर्ष के कारण दुबई एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है, जिससे टी20 विश्वकप 2026 के बाद जिम्बाब्वे टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। टीम दिल्ली में रुकी है और वैकल्पिक उड़ान का इंतजार कर रही है। आईसीसी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी के लिए दूसरी व्यवस्था करने में जुटा है। ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे संघर्ष का असर टी20 विश्व कप 2026 की व्यवस्थाओं पर पड़ा है। विश्व कप में अपना सफर समाप्त करने के बाद भी जिम्बाब्वे की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। दरअसल, ईरान ने इस्राइल की तरफसे हुए हमलों पर पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के कई देशों पर हमले किए हैं। दुबई एयरपोर्ट को बंद किया गया यूएई का नाम भी इसमें शामिल है। दुबई एयरपोर्ट के आस-पास भी धमाके हुए हैं। इस वजह से दुबई एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की टीम को सोमवार को नई दिल्ली से निकलते हुए दुबई से अपने देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों की स्वदेश यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। कोच का बयान टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, शिखलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार की सुबह घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफमैच शुरू होने तक कोई अपडेट नहीं था।श् दिल्ली में रुके हैं जिम्बाब्वे के खिलाड़ी फिलहाल जिम्बाब्वे के खिलाड़ी दिल्ली में रुके हुए हैं और अगली सूचना का इंतजार कर रहे हैं। टीम अब तय नहीं बल्कि अगले शेड्यूल और कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश लौटेगी।

खामेनेई के निधन का असर,वर्ल्ड कप से हटेगा ईरान!

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का असर अब खेल जगत पर भी पड़ने लगा है। दरअसल ईरान की फुटबॉल टीम आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बहिष्कार करने पर विचार कर रही है। ये टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाना है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद की स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनई की मौत हो गई जिसके बाद से ईरान में राजनीतिक और सामाजित माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है और उसके सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले अमेरिका में ही होने हैं। टीम को 15 जून को लॉस एंजिलिस में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेला है। वहीं इसके बाद 21 जून को बेल्जियम और 26 जून को सिएटल में मिस्त्र से मुकाबला तय है। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने संकेत दिए हैं कि अमेरिका में मैच खेलना मुश्किल हो सकता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में जो कुछ भी हुआ है उसके बाद वर्ल्ड कप में भागीदारी पर फैसला लेना आसान नहीं होगा। फिलहाल, तनाव को देखते हुए ईरान की घरेलू फुटबॉल लीग को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा ने कहा है कि वह पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर गिरी गाज

मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप से पाकिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। जिससे पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों से बेहद नाराज है जिसकारण पूरी टीम पर गाज गिरी है। दरअसल, ये लगातार दूसरी बार है जब टीम टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई और सुपर-8 टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान भारत-इंग्लैंड जैसी कड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों को हराने में नाकामयाब रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के कारण खिलाड़ियों पर बोर्ड ने भारी जुर्माना लगाया है। बता दें कि, जतपइनदम.बवउ.चा की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की खराब परफॉर्मेंस उनके खिलाड़ियों के लिए महंगी साबित हुई है क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हर खिलाड़ी पर 5 मिलियन रुपये का जुर्माना लगाया है। ये फैसला भारत से हार के बाद लिया गया। सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों ने खिलाड़ियों से साफकह दिया है

खिताब से दो कदम दूर भारत

लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा सामना, कैसा है वानखेड़े पर रिकॉर्ड?

कोलकाता। भारत का सामना टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा। दोनों टीमों के बीच इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यह लगातार तीसरी भिड़ंत होगी। आइए जानते हैं भारत और इंग्लैंड का हेड टू हेड रिकॉर्ड कैसा है... सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने सारे समीकरण ध्वस्त करते हुए टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में कुल छह और लगातार तीन बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। भारत का सामना अब पांच मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। ऐसा नहीं है कि दोनों टीमें इससे पहले सेमीफाइनल में नहीं भिड़ी हैं। यह लगातार तीसरी बार होगा जब भारत और इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे। सुपर आठ मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराया भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत अगर वेस्टइंडीज को हरा सका तो इसके पीछे सबसे बड़ा योगदान सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का है जिन्होंने रविवार को दमदार पारी खेली। भारत के लिए सैमसन ने एक छोर से मोर्चा संभाले रखा और अंत तक टिके रहे। कोलकाता के ईडेन गार्डेस में रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने संजू सैमसन की नाबाद 97 रनों की विस्फोटक पारी की मदद से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुंबई में होगा मैच भारतीय टीम अब सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मुंबई जाएगा जहां पांच मार्च को वानखेड़े पर सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वानखेड़े स्टेडियम पर भारत और इंग्लैंड के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमें इस स्टेडियम में कुल दो बार टी20 में आमने-सामने हुई हैं। दिलचस्प बात है कि एक मैच भारत ने जीता है, जबकि एक मैच इंग्लैंड अपने नाम करने में सफल रहा है। यानी इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने मिल सकता है। क्या इतिहास रच सकेगा भारत? भारतीय टीम टी20 विश्व कप में इतिहास रचने के करीब पहुंच गई है। टी20 विश्व कप 2026 भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है। श्रीलंका का सफर थम गया है, लेकिन एशिया से भारत एकमात्र टीम है जो खिताब की दौड़ में बनी हुई है। अब तक कोई भी टीम खिताब का बचाव नहीं कर सकी है और भारत के पास ऐसा करने का मौका है। इतना ही नहीं, किसी भी मेजबान टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब अपने घरेलू जमीन पर नहीं जीता है। भारत ऐसा करने से दो कदम दूर है। भारत ने दो बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है और उसके पास तीसरी ट्रॉफी अपने नाम कर सर्वाधिक बार टी20 विश्व कप का विजेता बनने का मौका है। सेमीफाइनल में कैसा है दोनों टीमों का रिकॉर्ड भारत और इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में तीसरी बार एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इससे पहले दोनों टीमें 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भिड़ी थीं। उस वक्त इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में 10 विकेट से जीत दर्ज कर भारत का ट्रॉफी जीतने का सपना तोड़ दिया था। इसके बाद भारत और इंग्लैंड के बीच 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ। भारत ने उस मैच को 68 रन से अपने नाम किया और फाइनल में जगह बनाई। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांच मार्च को कौन टीम किस पर भारी पड़ती है।

धैर्य और साहस का दूसरा नाम हैं संजू सैमसन

कोलकाता। संजू सैमसन का सफर संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की मिसाल है। टीम से बाहर होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वापसी पर दमदार प्रदर्शन कर सबको जवाब दिया। उनकी कहानी बताती है कि सच्ची सफलता वही है जो कठिनाइयों के बाद मिलती है। क्रिकेट सिर्फ रन और रिकॉर्ड का खेल नहीं होता, यह इंतजार, संघर्ष और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होता है। संजू सैमसन की कहानी इसी जज्बे की मिसाल है। टी20 विश्वकप से ठीक पहले प्लेइंग-11 से बाहर होना, न्यूजीलैंड के खिलाफटी20 सीरीज में बल्ला नहीं चलने पर आलोचनाओं का सामना करना, ये सब किसी भी खिलाड़ी का मनोबल तोड़ सकते थे, लेकिन संजू ने हार नहीं मानी। उन्होंने चुपचाप अपने खेल पर काम किया, धैर्य रखा और सही मौके का इंतजार किया। टी20 विश्वकप के दौरान जब बाकी भारतीय बल्लेबाज फेल हुए तो आवाज उठी एक नाम को मौका देने की- वह नाम है संजू सैमसन। संजू को जब दोबारा मौका मिला तो उन्होंने बल्ले से ऐसा जवाब दिया कि आलोचक भी तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। उनकी वापसी सिर्फ रन बनाने की कहानी नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, संयम और साहस की जीत है। संजू सैमसन ने दिखा दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो हर ठोकर सिर्फ आगे बढ़ने की ताकत देती है। ईशान की वापसी के बाद जगह मुश्किल में पड़ी थी टी20 विश्वकप से ठीक पहले ईशान किशन की वापसी ने संजू के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी थीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में संजू का बल्ला खामोश रहा। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने टी20 विश्वकप में ईशान के साथ अभिषेक को ओपनिंग की जिम्मेदारी दे दी। ऐसा लगा कि संजू के लिए दरवाजे बंद हो गए हैं। हालांकि, कहते हैं भगवान के घर में देर है अंधेर नहीं। संजू के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ। जब वापसी की, तो दुनिया देखती रह गई टी20 विश्वकप के पहले मैच में संजू बेंच पर बैठे। फिर नामीबिया के खिलाफग्रुप स्टेज मैच में उन्हें खेलने का मौका मिला। वहां उन्होंने 8 गेंदों में 22 रन बनाकर अपनी आक्रामक क्षमता दिखाई थी। इसके बाद फिर अभिषेक की वापसी हुई और संजू प्लेइंग-11 से बाहर हो गए। हालांकि, फिर टीम इंडिया की बल्लेबाजी में कमजोरी उजागर हुई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक्सपोज हो गई। टीम मैनेजमेंट ने फिर बदलाव करते हुए जिम्बाब्वे के खिलाफ संजू को मौका दिया और संजू ने इस मौके को सही साबित किया है। उन्होंने दिखा दिया कि उनमें काफी ताकत है। जिम्बाब्वे के खिलाफ भले ही संजू 15 गेंद में 24 रन बना सके, लेकिन उन्होंने अभिषेक के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। वेस्टइंडीज के सामने संजू ने दिखाया दम फिर मौका आया करो या मरो मैच का, जहां टीम इंडिया के सामने वेस्टइंडीज की टीम थी। वही वेस्टइंडीज की टीम जिसने 2016 टी20 विश्वकप में भारत को सेमीफाइनल में हराकर बाहर किया था। वही, वेस्टइंडीज जो इस विश्वकप के ग्रुप स्टेज में अजेय रही थी। भारत और वेस्टइंडीज में जो जीतता, वो सेमीफाइनल में पहुंचता। ऐसे अहम मुकाबले में संजू ने अपनी काबिलियत और अनुभव का परिचय दिया और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। टीम इंडिया को 196 रन का लक्ष्य मिला तो सबकी उम्मीदें अभिषेक (10) और ईशान (10) पर टिकी थीं। हालांकि, भारत ने 41 रन पर इन दोनों के विकेट गंवा दिए। इस मौके पर संजू ने अपना साहस दिखाया और पहले सूर्यकुमार यादव, फिर तिलक वर्मा, फिर हार्दिक पांड्या और आखिर में शिवम दुबे के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई और सेमीफाइनल में जाना तय कर दिया। उन्होंने 50 गेंद में 12 चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 97 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 194 का रहा। शुरू से अंत तक टिके रहे संजू सैमसन संजू ने सूर्या के साथ 58 रन, तिलक के साथ 42 रन, हार्दिक के साथ 38 रन और शिवम दुबे के साथ 20 रन की अटूट साझेदारी की। संजू के अलावा कोई बल्लेबाज 30 से ज्यादा रन नहीं बना पाया। भारत ने 19.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया (199 रन बनाए)। इनमें से 97 रन अकेले संजू के थे।

2007 से 2026 तक टी20 विश्व कप में कैसा रहा है भारत का सफर? 10 में से छह बार सेमीफाइनल में बनाई है जगह

कोलकाता। वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम का सामना 5 मार्च को मुंबई में इंग्लैंड से दूसरे सेमीफाइनल में होगा। वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम का सामना 5 मार्च को मुंबई में इंग्लैंड से दूसरे सेमीफाइनल में होगा। गत विजेता भारत की नजरें इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल मैच जीतकर फाइनल खेलने पर होंगी। बता दें कि, रविवार को कोलकाता में खेले गए मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टीम ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने संजू सैमसन की 97 रनों की विस्फोटक पारी की मदद से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप में छह बार सेमीफाइनल मैच खेल चुका भारत टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का इतिहास काफी दमदार रहा है। वेस्टइंडीज को हराकर लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीम इंडिया अब तक कुल छह बार इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंच चुकी है। भारत ने पहली बार 2007 में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खिताब भी जीता था। 2014 में भारत फाइनल तक पहुंचा और उपविजेता रहा। इसके बाद 2016 में टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंची, लेकिन खिताबी मुकाबले में जगह बनाने से चूक गई। फिर 2022 में भारतीय टीम ने एक बार फिर अंतिम चार में जगह बनाई। 2024 में टीम इंडिया ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। अब मौजूदा संस्करण में टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है। इस तरह 2007, 2014, 2016, 2022, 2024 और 2026 (या मौजूदा संस्करण) को मिलाकर भारत छह बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है।

अर्थ जगत

पश्चिम एशिया में तनाव का असर, दिल्ली एयरपोर्ट पर तीसरे दिन 87 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है, जिसके चलते सोमवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द हुई। पिछले दो दिनों में भारतीय एयरलाइंस 760 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर चुकी हैं, जबकि आकासा एयर ने खाड़ी देशों के लिए उड़ानें 3 मार्च तक स्थगित कर दी हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते हवाई क्षेत्र बंद होने से परिचालन प्रभावित हो रही है। सोमवार को राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 87 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार इनमें 37 प्रस्थान और 50 आगमन वाली उड़ानें शामिल हैं। अब तक कितनी उड़ानें हुई रद्द? नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक, पिछले दो दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने बढ़ते तनाव के कारण कुल 760 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। क्षेत्र में कई एयरस्पेस बंद होने से पश्चिम दिशा की उड़ानों के शेड्यूल पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सोशल मीडिया पर कहा कि पश्चिम एशिया की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के कारण कुछ पश्चिममुखी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी और समय-सारिणी में बदलाव हो रहा है। देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा आईजीआइए रोजाना 1,300 से अधिक उड़ानों का संचालन संभालता है, जिससे व्यवधान का व्यापक असर देखा जा रहा है। आकास एयर ने उड़ानों के निलंबन को 3 मार्च तक बढ़ाया इस बीच, आकासा एयर ने अबू धाबी, दोहा, जेद्दा, कुवैत और रियाद के लिए अपनी उड़ानों के निलंबन को 3 मार्च तक बढ़ा दिया है। एयरलाइंस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाली उड़ानों के संचालन को लेकर सावधानी बरत रही हैं। एयरलाइन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए इन शहरों के लिए आने-जाने वाली सभी उड़ानें 3 मार्च तक स्थगित रहेंगी। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी टीमें सुरक्षा माहौल पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और जरूरत के अनुसार परिचालन में बदलाव करती रहेंगी। अकासा एयर के अनुसार, इन मार्गों पर 7 मार्च तक की बुकिंग वाले यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारण (रीशेड्यूल) का विकल्प दिया गया है। पश्चिम एशिया में संकट के कारण अन्य एयरलाइंस ने भी टिकट रद्द करने और यात्रा तिथियों में बदलाव के लिए विशेष छूट की घोषणा की है।

भारत-कनाडा के बीच ऐतिहासिक आर्थिक समझौता, यूरेनियम और परमाणु सहयोग पर क्या खास? जानिए सबकुछ

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत-कनाडा ने यूरेनियम, क्रिटिकल मिनरल्स और सीईपीए पर किए ऐतिहासिक समझौते। पीएम मोदी ने दिया नागरिकों की सुरक्षा का भरोसा। वैश्विक स्तर पर चल रही उथल-पुथल और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच, भारत ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा कदम उठाया है। एक ओर जहां भू-राजनीतिक संकट ने बाजारों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं भारत और कनाडा के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक खनिजों को लेकर ऐतिहासिक समझौते हुए हैं। इन समझौतों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए देशवासियों को सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया है। भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। पश्चिम एशिया संकट पर पीएम का कड़ा संदेश कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद, पीएम मोदी ने साफ किया कि मानवता की भलाई भारत और कनाडा का साझा दृष्टिकोण है। वैश्विक अस्थिरता का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है और देश बातचीत के जरिए सभी मुद्दों के समाधान का पक्षधर है। युद्ध के बढ़ते जोखिम के बीच प्रधानमंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत-कनाडा के बीच ऐतिहासिक आर्थिक और ऊर्जा समझौते भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा करने के लिए भारत ने कनाडा के साथ अपनी रणनीतिक भागीदारी को मजबूत किया है। दोनों देशों के बीच हुए प्रमुख समझौते इस प्रकार हैंरू यूरेनियम और परमाणु सहयोगरू कनाडाई पीएम कार्नी के साथ वार्ता के बाद पीएम मोदी ने बताया कि भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, नागरिक परमाणु सहयोग को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर एक साथ मिलकर काम करेंगे। क्रिटिकल मिनरल्सरू भविष्य की तकनीकी और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए, भारत और कनाडा ने महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग के लिए एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। नवीकरणीय ऊजारू स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हुए, दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर मुहर लगाई है। व्यापक आर्थिक व्यापार समझौतारू व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए भारत और कनाडा ने श्व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौतेश् के लिए श्टर्म्स ऑफ रेफरेंसश् दस्तावेज को अंतिम रूप दे दिया है। पीएम मोदी के अनुसार, दोनों देशों ने इस व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का फैसला किया है। कनाडा के साथ समझौतों का कैसे मिलेगा फायदा? कनाडा के साथ हुए ये समझौते भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। यूरेनियम और नवीकरणीय ऊर्जा पर हुए समझौतों से भारत के पावर और एनर्जी सेक्टर को भारी बूस्ट मिलेगा, जिससे ऊर्जा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता भारत के उभरते इलेक्ट्रिक वाहन और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एक ओर जहां पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और बाजारों में अनिश्चितता पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या बोले? कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ÷भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कनाडा को एक महत्वपूर्ण और व्यापक साझेदार मानता है।

शेयर बाजार में दहशत क्यों?: पश्चिम एशिया में घमासान के बाद निवेशकों के 8 लाख करोड़ डूबे, जानें पांच बड़े कारण

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध और ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट। सेंसेक्स 2,700 अंक टूटा और निवेशकों के 8 लाख करोड़ डूबे। बाजार क्रैश के पांच प्रमुख कारण जानें। पश्चिम एशिया में अचानक गहराए भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध के हालात ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल बना दिया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक भारी गिरावट के साथ खुले, जिससे चंद मिनटों में निवेशकों के 7.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 2,743 अंक टूटकर 78,543 पर और निफ्टी 519 अंक गिरकर 24,659 पर खुला, जिससे 25,000 का अहम सपोर्ट लेवल टूट गया।

सुबह 10 बजकर 39 मिनट पर सेंसेक्स 1,059.41 (1.30:) अंकों की गिरावट के साथ 80,227.78 के साथ कारोबार करता दिखा। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी में 322.11 (1.28:) अंकों की गिरावट के साथ 24,856.55 पर कारोबार होता दिखा। आइए बाजार में आए इस भारी क्रैश के पांच प्रमुख कारणों को समझते हैंरू पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई से निवेशकों के बीच दहशत बाजार में क्रैश का सबसे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में युद्ध का भड़कना है। सप्ताहांत में अमेरिका और इस्राइल की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में ईरान के 86 वर्षीय सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। इस बड़े घटनाक्रम ने वैश्विक बाजारों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ईरान की ओर से किए गए जवाबी हमलों से बढ़ा डर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से पश्चिम एशिया के प्रमुख क्षेत्रों में किए गए जवाबी हमले बाजार गिरने का दूसरा बड़ा कारण हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध से जुड़ी अनिश्चितता निकट भविष्य में बाजार पर छाई रहेगी। वहीं, वेल्थ मिल्स सिक्योरिटीज के क्रांति बाथिनी के अनुसार, तनाव का यूएई तक फैलना अप्रत्याशित था, जिसका वित्तीय बाजारों पर शॉर्ट-से-मीडियम टर्म में नकारात्मक असर पड़ेगा। बाजार में बिकवाली का कच्चे तेल से भी संबंध कच्चे तेल की कीमतों में आया जबरदस्त उछाल बाजार के लिए तीसरी सबसे बड़ी चिंता है। ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमतें बढ़कर 82.37 डॉलर हो गई, जो जनवरी 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है। ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत में 7.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 78.41 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड वायदा में 7.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 71.86 डॉलर पर पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले नौवहन को बंद कर दिया है, जिसके चलते सरकारों और तेल शोधकों को तेल भंडार का आकलन करने के लिए प्रेरित किया गया है। इस बीच, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के मद्देनजर, ओपेक ने अगले महीने तेल उत्पादन में वृद्धि फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है। सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख सदस्य देश प्रतिदिन 206,000 बैरल तेल का उत्पादन बढ़ाएंगे। कच्चे तेल की यह तेजी अर्थव्यवस्था और महंगाई दर के लिए गंभीर खतरा है। तेल बाजार में घबराहट का कारण श्होर्मुज जलडमरूमध्यश् में सप्लाई चेन बाधित होने का डर है। दुनिया का 20: से अधिक तेल इसी रास्ते से गुजरता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।